RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः11, शनिवार, 21 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मधुबन में जीविका का रोजगार सह मार्गदर्शन मेला, 1561 युवाओं ने कराया पंजीकरण 03

केंद्रीय मंत्री ने 44 विस्थापित परिवारों को सौंपा बास भूमि पर्चा 04

हे बलवंत दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगीः अभिनेत्री शिवानी नागरम 07

गौरव गोगोई के बच्चों को तो बख्श दो

● प्रियंका बोलीं-केवल ध्रुवीकरण की राजनीति जानते हैं सरमा

दिसपुर (एजेंसी)। गौरव गोगोई पर हिमंता बिस्वा सरमा के आरपों को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्हें कम से कम बच्चों और किसी के परिवार को नहीं घसीटना चाहिए। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरमा केवल ध्रुवीकरण की राजनीति करते हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने पार्टी की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई पर पाकिस्तान के साथ कथित संबंधों को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा द्वारा आरोप लगाए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि उनके परिवार और बच्चों को इसमें घसीटना गलत राजनीति है। गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनपुर स्थित जुबीन खेत्र में दिवंगत गायक जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रियंका ने कहा कि जुबीन राजनीति से ऊपर थे और उन्होंने जीवन भर प्रेम का संदेश फैलाया। जुबीन खेत्र वह स्थान है जहां पर जुबीन का अंतिम संस्कार किया गया था। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर कथित पाकिस्तानी संबंधों को लेकर शर्मा के बार-बार किए जा रहे हमलों के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने कहा, राजनीति में दो तरह के नेता होते हैं - एक जो सकारात्मक राजनीति करते हैं और दूसरे जो ध्रुवीकरण करते हैं। गौरव गोगोई प्रेम की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि गोगोई एक सकारात्मक व्यक्ति हैं।

भारत में रहने वाले सभी लोग प्रभु श्रीराम के वंशज

गिरिराज सिंह बोले-चुनाव आयोग को डिस्टर्ब कर रही हैं ममता बनर्जी, सरिया कानून नहीं चलेगा

बेगूसराय (एजेंसी)। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि भारत में रहने वाले सभी लोग प्रभु श्री राम के वंशज हैं, इसलिए कोई गलतफहमी में नहीं रहे। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी और ममता बनर्जी पर जोरदार तंज कसा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत के मुस्लिमों की घर वापसी वाले बयान पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी की प्रतिक्रिया का जोरदार खंडन किया है। गिरिराज सिंह

ने कहा है कि जो लोग भारत में रहते हैं, वह भारतवंशी ही कहलाते हैं, कोई यहां बाबर-औरंगजेब का औलाद नहीं है। भारत में जो रहते हैं सब प्रभु श्री राम के ही वंशज हैं, चाहे वह मदनी हो या अदनी हो। जो लोग गलतफहमी के शिकार हो रहे हैं, यह सोचते हैं कि यहां गजवा ए हिंद करूंगा। वह ध्यान से सुन लें कि जब-जब इस देश में कोई औरंगजेब बनने की कोशिश करेगा तो महाराणा प्रताप भी उसके साथ खड़े दिखाई देंगे। बंगाल में एसआईआर के मुद्दे को लेकर ममता बनर्जी पर जोरदार निशाना साधा है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग को काम नहीं करने दे रही हैं। यह अब चलने वाला नहीं है, सरिया कानून नहीं चलेगा। फिल्म द केरल स्टोरी-टू देश को सच दिखाएगी।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस का शर्टलेस प्रदर्शन

● भड़की भाजपा, बोली-भारत को कर दिया शर्मिंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट समिट के दौरान शुक्रवार को भारी बवाल हुआ है। यहां यूथ कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं द्वारा 'शर्टलेस' प्रदर्शन के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक प्रदर्शनकारी अपनी शर्ट उतारकर मौके पर हंगामा कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी भी की। दिल्ली पुलिस ने जुड़े सूत्रों ने कहा है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इंडिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में दिल्ली पुलिस के सूत्रों के हवाले से बताया कि यूथ कांग्रेस के सदस्य होने का दावा करने वाले करीब 10 लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, चार से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के मुताबिक प्रदर्शन में शामिल लोग क्यू-कोड वाले पास का इस्तेमाल कर इवेंट में घुसे थे। फिलहाल हिरासत में लिए गए सभी लोगों को पूछताछ के लिए तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। दिल्ली पुलिस ने कहा है कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सभी जरूरी कानूनी कदम उठाएंगे।

कांग्रेस ने पूरे देश को किया शर्मिंदा हैः भाजपा

भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी का नाम लेकर इस घटना पर नाराजगी जताई है। भाजपा के आईटी सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित मालवीय ने कहा है कि कांग्रेस ने पूरे देश को किया शर्मिंदा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ऐसे समय में जब भारत एक मशहूर ग्लोबल समिट होस्ट कर रहा है, जिसमें टेक्नोलॉजी में अपने इनोवेशन और लीडरशिप को दिखाया जा रहा है, कांग्रेस पार्टी ने इज्जत देने के बजाय हंगामे को चुना। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए लिखा, राहुल गांधी की लीडरशिप में, कांग्रेस वर्कर्स ने टॉपलेस होकर समारोह में हंगामा किया, यह काम साफ तौर पर दुनिया के मंच पर भारत को शर्मिंदा करने के लिए किया गया था। जब देश खुद को ग्लोबल टेक्नोलॉजी पावरहाउस के तौर पर बनाने की कोशिश कर रहा है, तो ऐसा बर्ताव सिर्फ उन लोगों के फायदे में है जो भारत को गिरते हुए देखना चाहते हैं। राजनैतिक विरोध एक लोकतांत्रिक हक है, लेकिन भारत की ग्लोबल इमेज को नुकसान पहुंचाना नहीं। भारत इससे बेहतर का हकदार है।

राहुल गांधी बोले-पूरी तरह झुक गया भारत

● कहा-ऐसा लगता है जैसे भारत ज्यादा दे रहा है और बदले में कम पा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर फिर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि इस समझौते से ऐसा लगता है जैसे भारत ज्यादा दे रहा है और बदले में कम पा रहा है। राहुल ने इसे अमेरिका के सामने पूरी तरह झुक जाना बताया। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में अपने भाषण में जिउ-जित्सु (एक खेल) का उदाहरण इसलिए दिया था, क्योंकि उस खेल में किसी को पकड़कर या दबाकर काबू किया जाता है। उनका कहना है कि राजनीति में भी ऐसे दबाव होते हैं जो बाहर से दिखाई नहीं देते।

एआई समिट में भारत-अमेरिका का 'पैक्स सिलिका' समझौता

● चिप सेक्टर में 10 लाख नौकरियां आएंगी, मोदी-ट्रम्प की मुलाकात जल्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के आखिरी दिन भारत और अमेरिका ने पैक्स सिलिका डिक्लेरेशन पर साइन किए हैं। इस समझौते का मकसद दुनिया भर में सेमीकंडक्टर और एआई की सप्लाई चेन को सुरक्षित बनाना और गैर-मित्र देशों पर निर्भरता कम करना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और अमेरिकी आर्थिक मामलों के सचिव जैकब हेलबर्ग ने इस पर साइन किए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत अब पैक्स सिलिका का हिस्सा बन गया है, जिससे देश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर को बड़ा फायदा होगा।

सेमिकंडक्टर इंडस्ट्री को 10 लाख प्रोफेशनल्स की जरूरत

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को आने वाले समय में करीब 10 लाख अतिरिक्त स्किल्ड प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी और दुनिया की यह उम्मीद भारत से ही है। उन्होंने कहा, देश के पास अब एक साफ दिशा और लक्ष्य है। हमें सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में ग्लोबल लीडरशिप लेनी है। समिट में शामिल अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस गठबंधन में भारत की एंट्री को रणनीतिक रूप से अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा, भारत के पास ऐसा टैलेंट है जो किसी भी चुनौती का मुकाबला कर सकता है। भारत की इंजीनियरिंग गहराई इस गठबंधन के लिए बहुत जरूरी है।

● **मोदी और ट्रम्प की जल्द हो सकती है मुलाकात-** सर्जियो गोर ने भारत में हो रही इस समिट को बेहद प्रभावशाली बताया। जब उनसे पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने संकेत देते हुए कहा- बने रहिए। मुझे यकीन है कि सही समय पर यह मुलाकात जरूर होगी। भारत और अमेरिका के बीच हुए पैक्स सिलिका समझौते के दौरान गूगल और अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि इस समझौते का मकसद सुरक्षा और भरोसेमंद सप्लाई चेन सुनिश्चित करना है। साथ ही, इससे अहम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बिजनेस के रास्ते खुलेंगे।

देश के 22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की घोषणा

● ईसी बोला-अप्रैल से प्रक्रिया शुरू होगी, अभी 12 राज्यों में वोटर्स वेरिफिकेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लेटर लिखकर एसआईआर से जुड़ी तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने लेटर में बताया कि दिल्ली, कर्नाटक सहित शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। लेटर में आगे कहा गया है कि चुनाव आयोग ने पिछले साल 24 जून को आदेश दिया था कि पूरे देश में एसआईआर किया जाएगा। चुनाव आयोग ने पहले फेज में असम में, एसआईआर के बजाय स्पेशल रिवीजन 10 फरवरी को पूरा किया गया था। दूसरे फेज के तहत, नौ राज्यों और 3 केंद्र शासित

बिहार में एसआईआर करवाया था। दूसरे फेज के तहत, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 28 अक्टूबर 2025 से एसआईआर जारी है। प्रदेशों में 4 नवंबर 2025 से एसआईआर शुरू हुआ था। इन सभी राज्यों में 50.99 करोड़ मतदाता हैं। 21 को फाइनल वोटर लिस्ट जारी करनी है।

कहीं पथराव तो कहीं लगाई आग, शिवाजी जयंती पर बवाल

● देश भर के तीन राज्यों में हिंदू और मुस्लिम के बीच रहा तनाव

हैदराबाद (एजेंसी)। देश के तीन अलग-अलग राज्यों कर्नाटक, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटों के भीतर सांप्रदायिक तनाव की खबरें सामने आई हैं। शिवाजी जयंती के जुलूस और धार्मिक प्रार्थनाओं के दौरान हुई इन झड़पों ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के कारण किसी भी अप्रिय घटना की खबर नहीं है और वर्तमान में तीनों स्थानों पर स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

एमपी में मंदिर परिसर में तोड़फोड़ के बाद बवाल- जबलपुर के संवेदनशील सिहोरा तहसील में गुरुवार रात उस समय

स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब एक दुर्गा मंदिर परिसर में कथित तौर पर तोड़फोड़ की गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब मंदिर में शाम की आरती और पास की मस्जिद में नमाज का समय एक ही था। एक युवक ने कथित तौर पर मंदिर की ग्रिल को नुकसान पहुंचाया, जिससे दो समूहों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और पत्थरबाजी शुरू हो गई। जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और एसपी संपत उपाध्याय ने घटना की समीक्षा की।

● **कर्नाटक में जुलूस पर पथराव, एसपी घायल-** कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती के जुलूस के दौरान हिंसा भड़क उठी। जब यह जुलूस पंका मस्जिद के सामने से गुजर रहा था, तब कथित तौर पर पथराव किया गया। पथराव के दौरान बागलकोट के पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ गोयल के सिर में मामूली चोट आई है। उन्होंने बताया कि मस्जिद की ओर से दो पत्थर फेंके गए थे। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, मस्जिद के पास डीजे पर मंदिर बनाएंगे जैसे गाने बजाने को लेकर मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद तनाव बढ़ा।

● **आंध्र प्रदेश में नारेबाजी पर विवाद-** हैदराबाद के अंबरपेट इलाके में भी शिवाजी जयंती के जुलूस और रमजान की प्रार्थना के दौरान झड़प देखने को मिली। जब जुलूस एक मस्जिद के पास से गुजर रहा था, तब वहां मौजूद लोगों ने तेज संगीत और नारेबाजी पर आपत्ति जताई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की हुई। अंबरपेट की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया। किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की खबर नहीं है। शुक्रवार को एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा कड़ी रही।

बलूच लड़ाकों की कैद में रोते दिखे पाकिस्तानी सैनिक

● कहा-हम देश के लिए लड़ते हैं, लेकिन सरकार को हमारी कोई परवाह नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक और वीडियो जारी किया है, जिसमें पाकिस्तानी सैनिक सरकार से मदद की गुहार लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में 7 पाकिस्तानी सैनिकों को दिखाया गया है। वीडियो में एक सैनिक रोते हुए कह रहा है कि वह पाकिस्तान के लिए लड़ता रहा, लेकिन आज सेना उसे अपना नहीं मान रही। सैनिक कह रहा है- 'मेरे पास पाकिस्तानी सेना का आईडी कार्ड है, फिर क्यों कहा जा रहा है कि मैं पाकिस्तानी सैनिक नहीं हूं।'

यह वीडियो पाकिस्तान की सेना के उस बयान को सीधी चुनौती देता है, जिसमें कहा गया था कि उसके कोई भी सैनिक लापता नहीं हैं और न ही किसी उग्रवादी संगठन की हिरासत में हैं। बीएलए ने 14 फरवरी को इन सैनिकों को पकड़ा था। इनकी रिहाई के लिए बीएलए ने बलूच लड़ाकों की रिहाई की मांग की है। इसके लिए पाकिस्तान सरकार को 22 फरवरी तक का वक्त दिया गया है।

पाकिस्तान सरकार के पास और 3 दिन का वक्त- यह वीडियो बीएलए के आधिकारिक चैनल 'हक्काल' पर जारी किया गया है। वीडियो में बंदी बनाए गए सैनिकों से बीएलए लड़ाके कहते हैं, पाकिस्तान सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन वो आप लोगों को अपना मानने से इनकार कर रही है। आप कैसे साबित करेंगे कि पाकिस्तानी सैनिक हैं।

अमेरिका में पंजाबी ड्राइवर ने 3 गाड़ियों को उड़ाया

ट्रक से रेड लाइट जंप की, एक व्यक्ति की मौत, अवैध तरीके से पहुंचा था विदेश

लुधियाना (एजेंसी)। अमेरिका के इंडियाना में पुलिस ने पंजाबी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सुखदीप सिंह के नाम से हुई है। उसने अपने सेमी-ट्रक से एक सफेद पिकअप ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप ड्राइवर 64 वर्षीय टेरी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सुखदीप ने रेड लाइट जंप की, जिससे कुल तीन वाहन इस हादसे की चपेट में आ गए। यह घटना बुधवार दोपहर करीब 12 बजे हेंड्रिक्स काउंटी में हुई, जो इंडियानापोलिस के पश्चिम में स्थित है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी सुखदीप सिंह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा था। अमेरिकी पुलिस के मुताबिक, वह न केवल लापरवाही से वाहन चला रहा था, बल्कि उसकी इमिग्रेशन स्थिति भी अवैध पाई गई।

ट्रम्प की 'बोर्ड ऑफ पीस' मीटिंग में शामिल हुआ भारत

● गाजा के लिए 1.5 लाख करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान; 50 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के 'बोर्ड ऑफ पीस' की पहली बैठक में भारत ने गुरुवार को ऑब्जर्वर देश के तौर पर हिस्सा लिया। यह बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई। भारत की तरफ से भारतीय दूतावास में तैनात चार्ज द'अफेयर्स (सीनियर अधिकारी) नमग्या सी खम्पा ने हिस्सा लिया। भारत ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह बोर्ड का फुल टाइम मेंबर बनेगा या नहीं।

भारत ने पिछले महीने दावोस में इसके लॉन्च कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया था। बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में गाजा के पुनर्निर्माण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए के

राहत पैकेज का ऐलान किया गया है। ट्रम्प ने कहा कि 9 सदस्य देश गाजा राहत पैकेज के लिए 63 हजार करोड़ रुपए (7 अरब डॉलर) देंगे।

जबकि, अमेरिका खुद 90 हजार करोड़ रुपए (10 अरब डॉलर) देगा। वहीं, 5 देशों ने युद्ध से तबाह फिलिस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। वॉशिंगटन में हुई इस बैठक में करीब 50 देशों के अधिकारी शामिल हुए। इनमें से 27 देश बोर्ड के सदस्य हैं, जिनमें अजरबैजान, बेलारूस, मिस्र, हंगरी, इंडोनेशिया, इजराइल आदि शामिल हैं।

● **ट्रम्प बोले- ये रकम युद्ध पर खर्च के मुकाबले बहुत छोटी-** ट्रम्प ने कहा कि यह रकम युद्ध पर होने वाले खर्च के मुकाबले बहुत छोटी है। उन्होंने सदस्य देशों से कहा कि अगर सभी देश साथ आएं तो उस इलाके में स्थायी शांति लाई जा सकती है, जो सदियों से युद्ध और हिंसा झेलता आया है। ट्रम्प ने कहा कि गाजा पर खर्च किया गया हर डॉलर इलाके में स्थिरता लाने और बेहतर भविष्य बनाने में निवेश है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक भेजे जाएंगे, वे कब तैनात होंगे और दी गई रकम का इस्तेमाल किस तरह किया जाएगा।

● **यूएन की निगरानी करेगा ट्रम्प का बोर्ड ऑफ पीस-** 5 देशों ने युद्ध से तबाह फिलिस्तीनी इलाके में सैनिक तैनात करने पर सहमति दी है। ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि यह बोर्ड अब दुनिया भर के संघर्ष सुलझाने में भी भूमिका निभाएगा। ट्रम्प ने कहा, बोर्ड संयुक्त राष्ट्र की निगरानी करेगा और सुनिश्चित करेगा कि वह ठीक से काम कर रहा है। वहीं, बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक से पहले यह बैठक हुई।

संक्षिप्त समाचार

उमानाथ मंदिर में व्यक्ति को जमकर पीटा, बच्चा चोरी का लगाया आरोप, भीड़ ने पुलिस के सामने पीटा

पटना। बाढ़ अनुमंडल के उमानाथ मंदिर में बच्चा चोरी के आरोप में एक व्यक्ति को भीड़ ने जमकर पीटा। घटना के दौरान पुलिस के पहुंचने पर भी भीड़ ने उस व्यक्ति पर हमला किया और पुलिस की गाड़ी को भी निशाना बनाया।यह घटना तब सामने आई, जब उमानाथ मंदिर के पास एक स्थानीय युवक ने एक अज्ञात व्यक्ति को मोहल्ले के एक बच्चे का हाथ पकड़कर ले जाते देखा। संदेह होने पर युवक ने उस व्यक्ति से पूछताछ की। आरोपी ने बच्चे को चॉकलेट देने और उसके पिता के पास ले जाने का बहाना बनाया। देखते ही देखते सैकड़ों स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। भीड़ ने पहले तो बच्चा चोरी के आरोपी की जमकर पिटाई की। बाद में उसकी जान बचाने के लिए उसे

पास के एक कमरे में बंद कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना 112 नंबर पर पुलिस को दी। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही आरोपी को किसी तरह भीड़ से बचाकर बाहर निकाला गया। जैसे ही पुलिस उसे गाड़ी में बिठाने लगी, भीड़ ने दोबारा उस पर हमला कर दिया। इस दौरान पुलिस ने व्यक्ति को बचाने का प्रयास किया, लेकिन आक्रोशित भीड़ को नियंत्रित नहीं कर पाई। भीड़ ने व्यक्ति को ले जाते समय पुलिस की गाड़ी पर भी हमला किया। पुलिस किसी तरह आरोपी को भीड़ से बचाकर गाड़ी में ले जाने में सफल रही। आरोपी ने अपना नाम बमभोले और घर बख्तियारपुर के बाहापर बताया है। बाढ़ थानाध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह ने बताया कि आरोपी का नाम और घर वेरिफाई किया जा रहा है, उसका थाना क्षेत्र से संपर्क किया जा रहा है।

पटना नगर निगम के पार्षदों के साथ बैठक, नई विज्ञापन पॉलिसी पर होगी तीखी बहस

पटना। पटना नगर निगम के निगम पार्षद की चतुर्थ विशेष बैठक आज पटना में आयोजित की गई है। इस बैठक में निगम के नई विज्ञापन पॉलिसी पर चर्चा की जाएगी। पिछली बोर्ड की बैठक में इस पॉलिसी को लेकर जमकर हंगामा हुआ था, जिसके बाद एक विशेष बैठक बुलाकर इस मुद्दे पर फिर से विचार करने की बात कही गई थी। बोर्ड बैठक में पार्षदों ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि प्रस्ताव को पारित करने से पहले उन्हें जानकारी नहीं दी गयी थी। आज की बैठक में विपक्षी पार्षद इस संशोधन पर सवाल खड़े करने की तैयारी में हैं। विज्ञापन पॉलिसी का उल्लंघन कर होर्डिंग या विज्ञापन लगाने वालों पर 100 से 200 प्रतिशत तक जुर्माना लगाने का नियम था। इसे अब हटा दिया गया है। इसकी जगह सशक्त स्थायी समिति को कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है। संशोधित पॉलिसी में कहा गया है कि नगरपालिका अधिनियम-2027 के तहत विज्ञापन पॉलिसी के नियमों के उल्लंघन पर सुसंगत कार्रवाई होगी। पार्षदों का तर्क है कि जुर्माने का प्रावधान हटने से अवैध होर्डिंग्स पर नियंत्रण और कमजोर हो जाएगा। राज्य सरकार ने नगरपालिका क्षेत्र विज्ञापन नियमावली- 2025 के संशोधन पर मुहर लगा दी है। पटना नगर निगम समेत सभी निकायों को संशोधित नियमावली-2025 का ड्राफ्ट भेजा गया है। अब सभी निकाय इसपर अपनी सहमति देंगे। इसके बाद यह लागू होगा। नियमावली में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। खासकर आउटडोर विज्ञापन लगाने वालों पर जुर्माने के प्रावधान को हटाना शामिल है। विज्ञापन पॉलिसी लंबे समय से लागू न होने के कारण शहर में बेतरतीब होर्डिंग्स और बैनरों की भरमार है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर ऊंची इमारतों पर भारी लोहे के ढांचे खड़े किए जा रहे हैं। विज्ञापन पॉलिसी नहीं होने से पटना नगर निगम को बीते करीब दस वर्षों से राजस्व नहीं मिल पा रहा है। अनुमान के मुताबिक हर साल 50 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो रहा है।

फतुहा में कंटेनर ने ऑटो को मारी टक्कर, एक मजदूर की मौत, तीन घायलों का चल रहा इलाज

पटना। पटना के फतुहा थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित आरओबी के समीप गुरुवार की देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार अनियंत्रित कंटेनर ने सवारी से भरे ऑटो में इतनी जोरदार टक्कर मारी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद फोरलेन पर करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिसे हटाने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इट भट्ठे में काम करने वाले पप्पू कुमार ने बताया कि फतुहा के मालबीघा गांव के कुछ निवासी वैशाली जिले के राघोपुर (मिर्जापुर) स्थित एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। गुरुवार की शाम करीब सात-आठ लोग एक ऑटो पर सवार होकर अपने गांव मालबीघा से राशन और अन्य जरूरी सामान लेकर वापस भट्ठे पर जा रहे थे। जैसे ही ऑटो फोरलेन आरओबी से पटना की ओर मुड़ा, सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। इस हादसे में मालबीघा निवासी 35 वर्षीय मितरंजन मांझी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घायलों में शरीफा देवी (45 वर्ष),योगेंद्र मांझी (40 वर्ष) और ऑटो चालक भूषण कुमार (35 वर्ष) शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फतुहा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई शुभम कुमार ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी घायलों को इलाज के लिए पटना के एनएमसीएच भेजा है, वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। हादसे के बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ऑटो और कंटेनर को जब्त कर लिया है। इधर, जैसे ही घटना की खबर परिजनों तक पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्वजनों का कहना है कि घर के कमाऊ सदस्यों के साथ हुए इस हादसे ने उनकी दुनिया उजाड़ दी है। पुलिस फिलहाल मामले की आगे की कार्रवाई में जुटी है।

जींद में महिला अपने बेटे के साथ लापता, बिहार से पति संग भाई के पास आई थी

पटना। जींद की विश्वकर्मा कॉलोनी से एक 25 वर्षीय महिला अपने 4 साल के बेटे के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई है। महिला अपने पति के साथ बिहार से जींद में अपने भाई के पास आई हुई थी। परिवार के सदस्यों के घर पर मौजूद होने के बावजूद, वह चुपचाप अपने बच्चे को लेकर निकल गई। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। मूल रूप से पटना (बिहार) के रहने वाले नीरज कुमार ने पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि उनकी बहन शिवानी कुमारी और जीजा अनीस कुमार कुछ समय से उनके पास जींद में रह रहे थे। यह घटना 18 फरवरी 2026 को सुबह करीब 11:03 बजे हुई। परिवार के सभी सदस्य घर के बरामदे में बैठे थे। इसी दौरान शिवानी अपने 4 साल के बेटे अंशुमन को साथ लेकर बिना किसी को बताए घर से चली गई। हैरानी की बात यह है कि शिवानी अपना मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ गई है, जिससे उससे संपर्क करना असंभव हो गया है। परिजनों ने अपनी सभी रिश्तेदारियों और आसपास के इलाकों में मां-बेटे की तलाश की, लेकिन 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला है। जींद झांझ गेट चौकी इंचार्ज के निर्देशानुसार, ASI वीरेंद्र कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने नीरज कुमार की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 127(6) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। दूसरी तरफ पिल्लूखेड़ा मण्डी के कालवा रोड निवासी राजेंद्र सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी 18 वर्षीय बेटी गुरुवार (19 फरवरी) को गांव कालवा में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकली थी। कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी जब वह देर रात तक घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। उसने बताया कि उसकी बेटी का कद 5.6 फुट है, रंग गोरा और चेहरा गोल है। लापता होने के समय उसने पीले रंग का सलवार-कमीज पहना हुआ था। थाना पिल्लूखेड़ा पुलिस ने धारा 127(6) BNS के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'जनता के लिए गंभीर नहीं विपक्ष'

सम्राट चौधरी बोले- सुशासन सरकार है, हर थाने में लग रहा जनता दरबार

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा के बजट सत्र का 14वां दिन है। विधानसभा में आज डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता के लिए विपक्ष गंभीर नहीं है। अपराधियों पर कार्रवाई हो रही है तो उनके पेट में दर्द हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में सुशासन की सरकार है। हर थाने में जनता दरबार लगाए जा रहे हैं। इसका रिपोर्ट भी लिया जा रहा है। प्रमंडल से लेकर जिला स्तर पर STF की तैनाती की गई है। पुलिस को खुली छूट दी गई है। हालांकि, सदन में सम्राट चौधरी अपनी बात रख रहे थे, तभी विपक्षी सदस्य वाक आउट कर सदन से बाहर निकल गए।

लालू राज में जेल से हुकूमत चलती थी: डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा, राजद के समय जेल से हुकूमत चलती थी। नीतीश कुमार ने इस व्यवस्था को बदला है। अब सभी जेलों में सीसीटीवी कैमरा लगाकर ऑनलाइन चेक किया जा रहा है। अपराधी से कौन-कौन मिल रहा, इस पर पूरी नजर रखी जा रही है। बिहार पहला राज्य है, जहां जेल के अंदर सबसे ज्यादा अपराधी पढ़ाई करता है। 1256 बंदी 10वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए हैं।

बिहार पुलिस में पुलिस दीदी का गठन होगा: डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार पुलिस में अब पुलिस दीदी का गठन किया जाएगा। 1500 स्कूटी और 2.5 हजार बाइक खरीदे जाएंगे। राज्य के सभी पुलिस लाइन में जीविका दीदी रसोई की शुरुआत की जाएगी। सभी पुलिस लाइन में एक स्कूल खोला जाएगा। अग्निवीर के जवानों को आरक्षण के तहत नियुक्ति दी जाएगी। इससे पहले माले विधायक संदीप सौरभ ने कहा कि UGC एक्ट का विरोध गलत है। उच्च शिक्षण संथानों में जातिवाद-भेदभाव को खत्म करने के लिए इस नियम को लागू करना जरूरी है। संदीप सौरभ ने कहा कि ब्राह्मणवाद मानसिकता के लोग इसे लागू नहीं होने देना चाहते। स्पीकर ने ब्राह्मण शब्द को प्रोसीडिंग से हटाने का निर्देश दिया। संदीप सौरभ के बयान के बाद सदन में हंगामा होने लगा। बीजेपी विधायक मिथिलेश तिवारी ने कहा कि,विपक्ष को ब्राह्मणवाद समझ नहीं आता। ब्राह्मण के बिना ना शादी होती है ना श्राद्ध। एक ब्राह्मण ने ही भिक्षा मांग कर काशी विश्वविद्यालय बना दिया। यहां ना जाने कितने छात्र पढ़ते हैं और इन्हें ब्राह्मण खराब लगते हैं। तीनों लोक के स्वामी भगवान कृष्ण ने भी आंसू से ब्राह्मण के पैर धोए थे।

राबड़ी देवी ने कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा हमला किया: वहीं, विधान परिषद में राबड़ी देवी ने कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "बिहार में छोटी-छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं और कई मामलों में हत्या भी की जा रही है।" राबड़ी देवी ने दावा किया कि फरवरी महीने में 35 लड़कियों के साथ ऐसी घटनाएं हुई हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि इन मामलों में अब तक क्या कार्रवाई की गई है और दोषियों के खिलाफ क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इधर, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 15 दिन बाद सदन की कार्यवाही में शामिल हुए, लेकिन 20 मिनट बाद वो सदन से निकल भी गए। विधानसभा पोर्टिको में आज भी राजद विधायकों ने हाथ में बैनर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बैनर पर लिखा था कि- हत्या में नंबर वन बिहार।

पटना में गाड़ी से 18 लाख रुपए कैश मिले, 2 लोग पकड़ाए

एजेंसी, पटना

पटना के दीघा थाना क्षेत्र के दीघा TOP के पास वाहन चेकिंग के दौरान कैश बरामद किया गया है। TOP पर मौजूद कर्मी रूटिंग गाड़ी चेक कर रहे थे। एक वाइट कलर की गाड़ी आई। हाथ देकर कर्मियों ने उसे रोक सर्च किया तो गाड़ी से 2 लाख कैश मिले। अंदर 2 लोग मौजूद थे। थाने पर लाकर जब तलाशी ली गई तो कुल, 18,05000 कैश मिले। फिलहाल गाड़ी और रुपये जब्त कर लिए गए हैं।

ASP लॉ एंड ऑर्डर 2 दिव्यांजलि ने बताया कि आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक गाड़ी रोकी गई और उसकी तलाशी ली गई।तलाशी के दौरान भारी मात्रा में कैश बरामद किए गए। दोनों से जब इस सिलसिले में पूछताछ की गई तो अलग-अलग जवाब मिले। गाड़ी में दो लोग सवार थे जो सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। एक का नाम मोहम्मद सद्दाम और दूसरे का पंकज है।

◆ बार-बार बदल रहे बयान, हवाला के पैसे होने की आशंका

दोनों बार-बार बदल रहे बयान: पुलिस की पूछताछ में उन्होंने पहले कहा कि झारखंड से रुपए लेकर आ रहे हैं। फिर कुछ देर के बाद कहा कि पटना में एक भैया हैं, उन्हीं का रुपया है। तीसरी बार कहा कि घर पर शादी है। इसी में रुपए ले जा रहे हैं। जितनी बार भी पूछताछ हुई, उतनी बार अलग-अलग जवाब मिले। पुलिस ने इसकी सूचना इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दे दी है। इनके पास पैसे कहां से आए, इसके बारे में पता लगाया जा रहा है। आशंका है कि यह हवाला के रुपए हो सकते हैं। वाहन चेकिंग के दौरान TOP के प्रभारी समेत दीघा थानेदार संजीव कुमार भी मौजूद रहे।

पटना हाईकोर्ट में अत्याधुनिक ई-फाइलिंग सेंटर का शुभारंभ

एजेंसी, पटना

बिहार की न्यायिक व्यवस्था ने डिजिटल बदलाव की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। पटना हाई कोर्ट में शुक्रवार को तकनीक से युक्त नव-निर्मित ई-फाइलिंग सेंटर का विधिवत उद्घाटन माननीय मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू ने किया। इस पहल को न्यायालयों के आधुनिकीकरण और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। उद्घाटन समारोह में न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद सहित कई न्यायाधीश, अधिवक्ता एवं न्यायालय कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान न्यायालय परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। नया ई-फाइलिंग सेंटर अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस है। यहां अधिवक्ता ऑनलाइन माध्यम से वादों की फाइलिंग कर सकेंगे, जिससे समय की बचत होगी और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी। अब दस्तावेजों की हार्ड कॉपी जमा करने की बाध्यता कम होगी और लंबी कतारों से राहत मिलेगी। इससे न्यायिक कार्यों में तेजी आने की

◆ अधिवक्ता ऑनलाइन वाद कर सकेंगे फाइल, न्यायमूर्ति बोले- पेपरलेस कोर्ट की ओर बेहतर कदम

उम्मीद है। इस मौके पर न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू के नेतृत्व में न्यायिक प्रणाली निरंतर आधुनिक हो रही है। उन्होंने कहा कि ई-फाइलिंग सेंटर "पेपरलेस कोर्ट" की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बिहार के एडवोकेट जनरल P. K. Shahi ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि न्यायिक व्यवस्था में तकनीक का समावेश समय की मांग है और इससे आम वादकारियों को सीधा लाभ मिलेगा।

'एसएसपी पटना मेरी सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे'

एजेंसी, पटना

नीट छात्रा रेप-मौत मामले को लेकर लगातार हमलावर रुख अपनाए हुए पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने अब अपनी सुरक्षा पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए उन्होंने पटना के पुलिस अधीक्षक यानि SSP पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने लिखा कि, 'SSP पटना चाहते हैं कि मैं लोगों की सेवा और मदद के लिए बिहार न आऊं। मेरी Y श्रेणी सुरक्षा में तैनात BMP जवानों को फोन कर वापस बुलाया जा रहा है। मुझसे कैसी घृणा है? माफिया मुझसे परेशान हैं और SSP उनकी राह आसान कर रहे हैं।'

फेसबुक लाइव में पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला: गुरुवार रात पप्पू यादव ने फेसबुक लाइव आकर भी बिहार पुलिस प्रशासन पर कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, 'राज्य में लगातार बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं और नीट छात्रा के मामले में सच्चाई दबाने की कोशिश की जा रही है।' सांसद ने दावा किया कि, 'उन्होंने छात्रा का शैक्षणिक रिकॉर्ड देखा है- 10वीं में 84%, 12वीं में 64% और नीट

में 384 अंक।' उन्होंने कहा कि, 'ऐसी प्रतिभावान छात्रा को "पढ़ाई में कमजोर" बताकर बदनाम किया जा रहा है।' पप्पू यादव ने यह भी आरोप लगाया कि, 'पीड़िता के परिवार को दो-दो बार धमकी मिली और जब परिवार ने शंभू गर्ल्स हॉस्टल के खिलाफ केस दर्ज कराया तो जांच को भटकाने की कोशिश की गई।' उन्होंने हॉस्टल की मालिक नीलू अग्रवाल और उनके बेटे अंशु अग्रवाल का नाम लेते हुए कार्रवाई की मांग की।

गिरफ्तारी और जांच पर उठाए सवाल: पूर्णिया सांसद ने सिटी एसपी पूर्वी और एसएसपी पटना से पूछा कि, 'मनीष नामक व्यक्ति को किस आधार पर और किस धारा में गिरफ्तार किया गया।' उन्होंने सवाल किया कि, 'नीलू अग्रवाल को अब तक जेल क्यों नहीं भेजा गया, जबकि वह अस्पताल भी गई थीं।' पप्पू यादव ने कहा कि

❑ पप्पू यादव ने पूछा-मुझसे कैसी घृणा, क्या बिहार आना गुनाह, बीएमपी जवानों को वापस बुलाने का आरोप

'वार्डन और गार्ड इस पूरे मामले के मुख्य आरोपी हैं।' उन्होंने दावा किया कि 'घटना रात 10 बजे के बाद और सुबह 4 बजे के बीच हुई।' उनके अनुसार, 'वार्डन और गार्ड की भूमिका संदिग्ध है और घटना छात्रा के बेड के नीचे या चौथी मंजिल पर हुई हो सकती है।'

अस्पताल पर भी गंभीर आरोप: पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि, 'छात्रा को अस्पताल में मार दिया गया।' उन्होंने कहा कि, 'प्रभात मेमोरियल और अन्य अस्पतालों में उसे कई इंजेक्शन दिए गए।' उनका दावा है कि 'बिना माता-पिता की अनुमति के प्रेग्नेंसी की जांच की गई।' उन्होंने पूछा कि 'क्या कानून इसकी अनुमति देता है? उन्होंने डॉक्टरों, वार्डन, गार्ड और अन्य संबंधित लोगों के मोबाइल कॉल डिटेल्स सार्वजनिक करने की मांग की। सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि, 'एक नर्स ने उन्हें सच्चाई बताई, जिसके बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया।' उनका कहना है कि 'करोड़ों रुपये देकर इस केस को दबाने की कोशिश हो रही है।'

CBI जांच और साक्ष्यों पर सवाल: पप्पू यादव ने पूछा कि, 'छात्रा की मूल डायरी CBI को क्यों नहीं सौंपी गई और केवल फोटो कॉपी क्यों दी गई।' उन्होंने परिवार को पूरी सीसीटीवी फुटेज और हार्ड डिस्क उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही कहा कि 'सभी डॉक्टरों को एक साथ बुलाकर यह स्पष्ट किया जाए कि दुष्कर्म हुआ या नहीं।'

आत्महत्या नहीं, यह सुनियोजित हत्या- पप्पू यादव: इससे पहले भी सांसद फेसबुक लाइव में इस घटना को आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या बता चुके हैं। उन्होंने कहा कि 'वह इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे और किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेंगे।' उन्होंने बिहार के गृह मंत्री से भी सीसीटीवी फुटेज की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। नीट छात्रा रेप-मौत मामले में पप्पू यादव के लगातार हमलों और गंभीर आरोपों के बाद अब सभी की नजर पुलिस और जांच एजेंसियों की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

पटना यूनिवर्सिटी के आउटसोर्स कर्मचारियों का विरोध, प्रदर्शनकारी बोले-5 महीने से नहीं मिली सैलरी

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के आउटसोर्स कर्मचारी ने आज विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पिछले 5 महीने से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही है। उनका आरोप है कि 5 साल से वेतन में कटौती करके दी जा रही है। इसमें कंप्यूटर ऑपरेटर, एमटीएस वाले, स्वीपर, टेक्नीशियन सहित ग्रेड-3 और ग्रेड-4 के सभी कर्मी शामिल है। उनकी यह भी शिकायत है कि पटना यूनिवर्सिटी में काम एक नियमित कर्मा की तरह लिया जाता है, मगर कोई भी समस्या बताने पर हमें आउटसोर्स से कर्मी कहकर बात नहीं सुनी जाती है। इसलिए हम लोग अब लेबर कोर्ट तक जाएंगे।

सैलरी मांगने पर झूठा आश्वासन दिया जाता है- सूरज कुमार: परीक्षा विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर सूरज कुमार ने कहा कि, 'पटना विश्वविद्यालय में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों को

करीब 5 महीने से सैलरी नहीं दी जा रही है। एजेंसी वालों को कहने पर हमें कहा गया कि एग्रीमेंट नहीं हुआ है। कुछ लोगों को सैलरी आई भी तो उसमें कटौती कर दी गई।' कंप्यूटर ऑपरेटर सूरज ने आगे कहा, 'हम वाइस चांसलर और रजिस्ट्रार से भी मिले हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। एजेंसी वाले भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। जब भी हम सैलरी को लेकर बात करते हैं तो आज और कल आने का झूठा आश्वासन दिया जाता है।'

◆ 5 साल से वेतन में की कटौती, अब जाएंगे लेबर कोर्ट

2018 से अब तक बोनस नहीं देने के आरोप: सभी कर्मियों ने कुलपति को भी एक पत्र लिखा है। उन्होंने जानकारी दी की 1 सितंबर 2021 से अब तक का वेतन काटकर भुगतान किया गया है। हम सभी कर्मियों का पिछले 2018 से वेतन अंतर राशि का भुगतान नहीं हुआ है। जबकि बिहार सरकार द्वारा अभी तक 13 बार गजट आया पर विश्वविद्यालय ने मात्र 3 बार मानदेह बढ़ाया है। हम लोगों के वेतन से सेवा शुल्क 18 प्रतिशत जीएसटी काटा जाता है, जबकि बिहार सरकार द्वारा कोई नोटिस नहीं है। एजेंसी पर सेवा शुल्क लगता हैं और ना कि कर्मियों पर कोई सेवा शुल्क लगता हैं। 2018 से अभी तक बोनस नहीं मिला है। सितम्बर 2021 से अबतक सैलरी स्लिप नहीं मिला है।

राबड़ी बोलीं-मैट्रिक परीक्षार्थी की मौत के दोषियों पर कार्रवाई हो

एजेंसी, पटना

बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा का आज चौथा दिन है। आज दोनों पाली में सोशल साइंस के पेपर थे। आरा में क्षत्रिय उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर एक स्टूडेंट ने कॉपी नहीं दिया तो पहली पाली की परीक्षा खत्म होने के बाद उसपर हमला कर दिया। इस हमले में छात्र का सिर फूट गया है। इस घटना से परीक्षा केंद्र के बाहर अफरा-तफरी मच गई। घायल छात्र की पहचान बड़हरा थाना क्षेत्र के चातर गांव के रहने वाले राहुल भारती के रूप में हुई है। उसका इलाज चल रहा है।

वहीं मसौढ़ी की मैट्रिक परीक्षार्थी की आत्महत्या का मामला गुरुवार को विधानमंडल में उठा। विपक्षी सदस्यों ने प्रदर्शन किया। सरकार के

खिलाफ नारे लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने छात्रा की मौत के दोषियों पर कार्रवाई करने की बात कही। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि वे इस पूरे मामले की समीक्षा करेंगे। संज्ञान लेंगे। जो भी दोषी हैं और क्या सुधारात्मक कार्रवाई की जाए, उस पर ध्यान देंगे। फैक्ट ऑफ दि केस की समीक्षा करेंगे। जो उचित होगा, निर्णय लेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि मैट्रिक परीक्षा में थोड़ी देर होने के कारण छात्र-छात्राओं को परीक्षा देने से रोक दिया जा रहा है।

विविधता भारत की पहचान, एकरूपता से बगीचा खराब होगा

एजेंसी, पटना

लोजपा रामविलास सांसद अरुण भारती ने मोहन भागवत के 'घर वापसी' संबंधी बयान पर उन्हें नसीहत दी है। अरुण भारती ने कहा कि, 'भारत एक ऐसा बाग है, जहां सभी तरह के फूल है। कौन कहां से आया, हम लोग इस विवाद में पड़ना नहीं चाहते।' अरुण भारती ने कहा, 'भारत की पहचान उसकी विविधता है। अलग-अलग विचार, अलग-अलग संस्कृति और अलग-अलग समुदायों का सम्मान होना चाहिए। यदि पूरे देश को एक ही रंग में रंगने की कोशिश होगी तो पूरा बगीचा ही खराब हो जाएगा।'

उन्होंने आगे कहा कि, 'भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखना ही देश की मजबूती है, और सभी विचारधाराओं को अपना स्थान मिलना चाहिए।'

अरुण भारती ने शशि थरूर द्वारा AI समिट पर टिप्पणी को लेकर प्रतिक्रिया दिया है। उन्होंने कहा कि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के साथ-साथ भारत में उभरती प्रारंभिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में देश "दिव्य गति" से प्रगति कर रहा है। किसी एक संस्थान की त्रुटि को आधार बनाकर पूरे भारत की AI और टेक्नोलॉजी व्यवस्था पर सवाल उठाना सरासर गलत है।' उन्होंने आगे कहा कि, 'एक संस्थान की गलती को पूरे देश की तकनीकी क्षमता से जोड़ना उचित नहीं है।

पटना- आवारा कुत्तों के लिए बनेगा फीडिंग जोन, 75 वार्डों में जगह किए जा रहे चिन्हित, हेल्पलाइन नंबर भी होगा जारी

एजेंसी, पटना

आवारा कुत्तों को लेकर सरकार सख्त हो गई है। इसे लेकर पटना नगर निगम द्वारा एक खास प्लानिंग की जा रही है। नगर निगम के हर वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए एक फीडिंग जोन बनाया जाएगा। इसके लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा। अभी सभी 75 वार्डों में जगह को चिन्हित किया जा रहा है। इसका नाम 'आवारा श्वानों के लिए आहार स्थल' होगा। इस फीडिंग जोन को बनाने का मुख्य उद्देश्य आवारा कुत्तों की संख्या का पता करना है जिससे उनके नसबंदी करने में मदद मिलेगी।

बीमारियों के रोकथाम और साफ सफाई में मिलेगी मदद: पटना नगर निगम के अधिकारियों

के मुताबिक इसके बन जाने से बीमारियों पर रोकथाम होगा, क्योंकि कई लोग आवारा कुत्तों को सड़क के किनारे खाने की चीज दे देते हैं, जिससे उनका स्लाईवा इधर-उधर फैल जाता है और बीमारियां भी बढ़ती है। इसके अलावा इस फीडिंग जोन के बनने से साफ सफाई सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी क्योंकि आवारा कुत्ते खाकर कुछ खाना छोड़ देते हैं, जिससे कचरा इधर-उधर फैल जाता है। एक ही जगह पर खाना देने पर कुत्तों को भी आदत लग जाएगी और वह उसी जगह पर आकर अपना खाना खाएंगे और चले जाएंगे। इससे गंदगी नहीं फैलेगी।

हर फीडिंग जोन के बाहर स्थान और अंचल का नाम लिखा जाएगा: वहीं, कुछ कुत्ते खाने के लिए लोगों पर झपटते भी है और काट भी लेते हैं। इन सभी चीजों से निपटने के लिए पटना नगर निगम ने ये खास प्लान बनाया है। हर फीडिंग जोन के आगे स्थान का नाम और अंचल का नाम लिखा जाएगा। आवारा कुत्तों से संबंधित शिकायत या सुझाव के लिए हेल्पलाइन नंबर 0612-2200634 पर लोग कॉल कर सकते हैं। इससे पहले नवंबर महीने में पटना नगर निगम ने शहर के सभी 75 वार्डों में आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के लिए एंटी-रेबीज टीकाकरण और नसबंदी अभियान चलाया था।

संक्षिप्त समाचार

पताही प्रखंड के परसौनी कपूर पंचायत में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित, 294 पशुओं का निःशुल्क उपचार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला पशुपालन पदाधिकारी के निर्देशानुसार शुक्रवार को पताही प्रखंड अंतर्गत परसौनी कपूर पंचायत में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण और निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. वंदना सिन्हा (पताही) एवं डॉ. चंद्रमोहन सिंह (जिहुली) ने किया। शिविर के दौरान कुल 70 पशुपालकों के 294 बड़े एवं छोटे पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं। पशुपालकों को पशुओं के समुचित रख-रखाव, नियमित टीकाकरण, संतुलित आहार एवं रोगों की पहचान संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि समय पर देखभाल और टीकाकरण से पशुओं की उत्पादकता बढ़ती है तथा बीमारियों की रोकथाम संभव है। शिविर को लेकर क्षेत्र के पशुपालकों में उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की।

ढाका थाना में पॉक्सो एक्ट के अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। ढाका थाना कांड संख्या-496/25, पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में पुलिस ने नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान पिंटू कुमार, पिता–भगवान राय, निवासी–बकरिहारी, थाना–ढाका, जिला–पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मामले में विधिवत कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को दबोचा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिला एवं बाल अपराध से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

फर्जी प्रमाण पत्र पर बहाल शिक्षक गिरफ्तार, लंबे समय से था फरार

बीएनएम @ पताही। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फेनहारा थाना क्षेत्र के मनकरवा गांव में छापेमारी कर फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर बहाल एक शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार शिक्षक की पहचान मनकरवा गांव निवासी सुबोध कुमार सिंह के रूप में हुई है, जो निगरानी विभाग द्वारा दर्ज मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार निगरानी विभाग के डीएसपी गोपाल कृष्ण के आवेदन पर पताही थाना में कांड संख्या 120/23 दर्ज किया गया था।

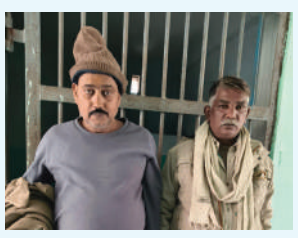

आरोप है कि सुबोध कुमार सिंह ने फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर शिक्षक पद पर नियुक्ति हासिल की थी। वर्ष 2010 में उसकी बहाली प्रखंड के गोनाही पंचायत में पंचायत शिक्षक के रूप में हुई थी और वह प्राथमिक विद्यालय मुजिया में कार्यरत था। निगरानी विभाग द्वारा की गई प्रमाण पत्रों की जांच में उसके शैक्षणिक दस्तावेज जाली पाए गए। इसके बाद उसके विरुद्ध जालसाजी का मामला दर्ज किया गया था। मामला उजागर होने के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मनकरवा गांव में छापेमारी की, जहां से आरोपी शिक्षक को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की गई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है, वहीं पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सरकारी सेवा में फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्ति करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रामगढ़वा में रमजान के पहले जुम्मे पर उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़, अमन-चैन की मांगी दुआ

बीएनएम @ विजय कुमार@ रामगढ़वा। मुकद्दस माह-ए-रमजान के पहले जुम्मे के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र में गहरी रूहानी फिजा देखने को मिली। रामगढ़वा प्रखंड के प्रखंड मुख्यालय स्थित जामा मस्जिद समेत विभिन्न ग्रामीण इलाकों की मस्जिदों में दोपहर की अजान के साथ ही नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी।

रोजेदारों ने पूरे एहतराम और अकीदत के साथ जुम्मे की नमाज अदा की। चिलचिलाती धूप के बावजूद मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोग जुटे। इमामों ने खुतबे में रमजान की अहमियत, सब्र, तकवा और जकात की फजीलत पर विस्तार से बयान किया। उन्होंने रोजा रखने के साथ जरूरतमंदों की मदद करने और आपसी भाईचारा कायम रखने का संदेश दिया। नमाज के बाद अकीदतमंदों ने सामूहिक रूप से हाथ उठाकर मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और सामाजिक सौहार्द की दुआ मांगी। कई मस्जिदों और मदरसों में सुबह से ही कुरान की तिलावत और इबादत का सिलसिला जारी रहा। बच्चों और युवाओं में भी खास उत्साह देखा गया। पहले जुम्मे को देखते हुए मस्जिदों के आसपास सुरक्षा और सफाई के विशेष इंतजाम किए गए थे। स्वयंसेवकों की तैनाती से नमाजियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। पूरे दिन क्षेत्र में धार्मिक आस्था और शांति का वातावरण बना रहा।

ढाका व पचपकड़ी में सूखे नशे पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, ब्राउन शुगर व गांजा समेत 4 गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी: जिले में सूखे नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत ढाका और पचपकड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ब्राउन शुगर व गांजा के साथ चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। दोनों थानों में अलग-अलग कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को ढाका थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिकरहना के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। इस दौरान मोहब्बतपुर ढाका निवासी तौफिक आलम (पिता-स्व० नेजामुद्दीन) तथा चौनपुर ढाका निवासी मो० असगर (पिता-मो० अमरुल्लाह) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के क्रम में इनके पास से 0.13 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा मादक पदार्थ, 13 खाली प्लास्टिक डिब्बियां एवं एक डिजिटल तराजू बरामद किया गया। इस संबंध में ढाका थाना कांड संख्या-104/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर पुलिस ने पचपकड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम मुरली स्थित ईमाम मियाँ के घर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 32 डिब्बियों में पैक 12.82 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ, 21 पुड़ियों में 34.06 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ तथा 42 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। मौके से ईमाम मियाँ (पिता-स्व० रसुल मियाँ) एवं रियाज मंसुरी (पिता-ईमाम मियाँ), दोनों निवासी मुरली, थाना पचपकड़ी को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पचपकड़ी थाना कांड संख्या-39/26 दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिकरहना उदय शंकर, ढाका व पचपकड़ी थानाध्यक्ष, जिला आसूचना इकाई एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि पूरे नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

एमजीसीयू मोतिहारी में इग्नू पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 28 फरवरी तक बढ़ी

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र में विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में नामांकन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 28 फरवरी, 2026 कर दी गई है। यह जानकारी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) केंद्र के समन्वयक डॉ. श्याम नंदन ने दी। डॉ. नंदन ने बताया कि इग्नू दरभंगा क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत एमजीसीयू मोतिहारी में संचालित इग्नू अध्ययन केंद्र (कोड-46040) में इस सत्र से कुल 18 पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। स्नातक स्तर पर कला (बहुविषयक), वाणिज्य तथा कला स्नातक ऑनर्स के अंतर्गत राजनीति विज्ञान, अंग्रेज़ी, इतिहास, हिंदी और संस्कृत विषयों में नामांकन की सुविधा उपलब्ध है। स्नातकोत्तर स्तर पर हिंदी (वर्नाक्युलर), हिंदी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अंग्रेज़ी, समाजशास्त्र, संस्कृत एवं वाणिज्य विषयों में पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एमबीए), अनुवाद में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा तथा डिजिटल मीडिया में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी पूर्व में किसी कारणवश प्रवेश नहीं ले सके थे, वे अब 28 फरवरी, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। नई शिक्षा नीति के तहत नियमित छात्र-छात्राएं ड्युअल डिग्री की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इसके अनुसार एक साथ दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश संभव है, बशर्ते उनमें से एक दूरस्थ शिक्षा माध्यम से हो। ऐसे में अन्य शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भी केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थित इग्नू केंद्र में नामांकन लेकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

जनता के दरबार में 33 आवेदनों की सुनवाई, त्वरित निष्पादन का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम के तहत शनिवार को समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में सुनवाई आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न अंचलों से आए कुल 33 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए वरीय उप समाहर्ता विकास कुमार एवं निधि कुमारी ने कहा कि सभी आवेदनों पर संबंधित विभागीय पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कराते हुए समस्याओं का विधिसम्मत एवं शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। आज की सुनवाई में भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद तथा राजस्व विभाग से संबंधित मामले प्रमुख रूप से प्राप्त हुए। इन आवेदनों के त्वरित निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ संबंधित पदाधिकारियों को अग्रसारित करने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है।

पिपराकोठी में 1235.52 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त, ट्रक समेत चालक-उपचालक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

पिपराकोठी थाना क्षेत्र में शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 1235.52 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान ट्रक समेत चालक और उपचालक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चकिया-पिपरा की ओर से एक 12 चक्का ट्रक (रजिस्ट्रेशन संख्या JH02BM-9951) शराब की खेप लेकर आ रहा है। सूचना के आधार पर पिपराकोठी चौक के समीप घेराबंदी कर ट्रक की विधिवत जांच की गई। तलाशी के दौरान चालक सीट के पास बने केबिन के तहखाने में छिपाकर रखे गए 143 कार्टून अंग्रेजी शराब बरामद किए गए। प्रत्येक कार्टून में 48 पीस (18 एमएल) के कुल 6864 पीस शराब पाए गए, जिसकी कुल मात्रा 1235 लीटर 520 मिली बताई गई है। साथ ही एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चालक राज कुमार सहनी (पिता-स्व० मोतीलाल सहनी), निवासी बनियापुर, जिला सारण (छपरा) तथा उपचालक नितेश कुमार (पिता-विश्वनाथ सहनी), निवासी छोटा बरियारपुर, थाना छतौनी, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। इस संबंध में पिपराकोठी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-02 जितेश पांडेय, थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह सहित पिपराकोठी थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

महिला थानाध्यक्ष ने आधी रात में छापेमारी कर 620 लीटर विदेशी शराब किया जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

बीजधरी थाना क्षेत्र में महिला थानाध्यक्ष सीमा कुमारी के नेतृत्व में आधी रात चलाए गए छापेमारी अभियान में पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक मालवाहक वाहन के पिछले हिस्से में मछली के छोटे बच्चों को तिरपाल के ऊपर रखकर उसके नीचे विदेशी शराब के गत्ते छिपाकर आपूर्ति की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी क्रम में सुंदरापुल की ओर से आ रहे एक मालवाहक वाहन (संख्या बीआर06जीई8161) को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन लेकर भागने लगा। गश्ती दल ने पीछा कर वाहन को पकड़ लिया। वाहन से एक व्यक्ति फरार हो गया, जबकि दूसरे को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति ने अपना नाम प्रदीप कुमार, पिता भुट्टी मुखिया, निवासी लक्ष्मीपुर, थाना नौतन, जिला पश्चिमी चंपारण बताया। फरार आरोपी की पहचान मुन्ना कुमार, पिता योगेंद्र प्रसाद कुशवाहा, निवासी लक्ष्मीपुर, जिला पश्चिमी चंपारण के रूप में हुई है। वाहन की तलाशी में 141 बोतल 'आफ्टर डार्क ब्लू रेयर ग्रेन व्हिस्की' (प्रत्येक 180 मिलीलीटर) कुल 25.38 लीटर तथा 3308 बोतल 'ऑफिसर्स चॉइस ओरिजिनल व्हिस्की' कुल 595.44 लीटर, कुल मिलाकर 620.82 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि शराब तस्करी के विरुद्ध थाना क्षेत्र में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई, जिसमें बड़ी मात्रा में शराब बरामद हुई है। उन्होंने कहा कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है तथा मद्यनिषेध कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। बरामद शराब, मालवाहक वाहन और गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध मद्यनिषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बीएनएम इम्पैक्ट: शपथ पत्र विवाद पर एसडीओ सख्त, पदाधिकारियों से तीन दिन में जवाब तलब

बीएनएम @मोतिहारी

अरेराज शपथपत्र मामला : अनुमंडल पदाधिकारी के जांच आश्वासन के बाद कार्यालय कर्मियों व अधिवक्ताओं में हड़कंप

अरेराज अनुमंडल कार्यालय में शपथ पत्र से जुड़े विवाद की खबर सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। अरेराज की अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा ने ज्ञापांक 223, दिनांक 17 फरवरी 2026 के तहत अवर निर्वाचन पदाधिकारी सह कार्यपालक दंडाधिकारी अरविन्द वर्मा एवं लिपिक विकास कुमार पाण्डेय से तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मामला बथुआहाँ निवासी नूरजहाँ, पति क्यामुदीन अंसारी से संबंधित है। शिकायतकर्ता ने शपथ पत्र संख्या 4232, दिनांक 12 फरवरी 2026 की मूल प्रति प्रस्तुत करते हुए आरोप लगाया कि उनके हस्ताक्षर के स्थान पर अंगूठा निशान अंकित कर दिया गया, जबकि वे हस्ताक्षर करती हैं। उनका कहना है कि यह परिवर्तन उनकी जानकारी या सहमति के बिना किया गया। इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने भी संबंधित अनियमितताओं की जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। पूर्व में जारी पत्रांक 454/गो०, दिनांक 05 फरवरी 2026 के आलोक में मामले की समीक्षा की जा रही है। एसडीओ अंजली शर्मा ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। प्रशासनिक स्तर पर जांच जारी है और अंतिम निर्णय प्रतिवेदन के आधार पर लिया जाएगा। शपथ पत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज में कथित गड़बड़ी को लेकर अनुमंडल कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। अब निगाहें इस बात पर हैं कि जांच कितनी पारदर्शी और निष्पक्ष होती है। प्रशासनिक जवाबदेही की असली परीक्षा ऐसे ही मामलों में होती है, जहां एक दस्तावेज नागरिक के अधिकार से सीधे जुड़ा होता है।

रामसिंह छतौनी में गन्ना क्षेत्र विस्तार योजना का निरीक्षण, किसानों को दी गई तकनीकी जानकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

गन्ना क्षेत्र विकास योजना के तहत शुक्रवार को ग्राम रामसिंह छतौनी (टोला–गजपुरा), पंचायत–रामसिंह छतौनी, प्रखंड– मोतिहारी में चयनित किसानों के खेतों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण सहायक निदेशक, ईख विकास, मोतिहारी द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान दीपक कुमार (4 एकड़), कमलेश्वर कुमार (5 एकड़) एवं सिद्धि सिंह (2 एकड़) के खेतों में चल रहे गन्ना बुआई कार्य का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने किसानों को उन्नत तकनीक से खेती, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, गुणवत्तापूर्ण बीज चयन तथा समय पर सिंचाई के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर गांव के अन्य किसानों से भी संवाद कर गन्ना क्षेत्र के विस्तार के लिए प्रेरित किया गया। विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि अधिक उत्पादन और बेहतर आमदनी के लिए आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाना आवश्यक है। टोला गजपुरा के किसानों ने योजना के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि विभागीय मार्गदर्शन से उन्हें लाभ मिल रहा है। ईखायुक्त के मार्गदर्शन में वर्ष 2025-26 के लिए इस ग्राम को गन्ना क्षेत्र विस्तार योजना के तहत क्लस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है।

हत्या के प्रयास व पुलिस पर हमला मामले का नामजद आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

आदापुर थाना कांड संख्या-01/2025 (हत्या के प्रयास एवं पुलिस पर हमला) के नामजद अभियुक्त विनोद मांझी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान धबधबबा गांव निवासी विनोद मांझी, पिता नंदू मांझी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में उसे दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अभिलेख के मुताबिक आरोपी के विरुद्ध आदापुर थाना कांड संख्या-01/2025 के तहत उत्पाद अधिनियम से संबंधित मामला भी दर्ज है। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच जारी है और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मधुबन में जीविका का रोजगार सह मार्गदर्शन मेला, 1561 युवाओं ने कराया पंजीकरण

बीएनएम @ मोतिहारी/मधुबन

बिहार ग्रामीण आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जीविका) के तत्वावधान में शुक्रवार को मधुबन प्रखंड के श्री कृष्ण गौशाला मैदान में रोजगार सह मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया गया। मेले में कुल 13 कंपनियों ने भाग लेकर युवाओं को रोजगार एवं प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए। कार्यक्रम का उद्घाटन मधुबन विधानसभा के विधायक राणा रणधीर सिंह, पकड़ीदयाल की अनुमंडल पदाधिकारी मंगला पांडे, प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश कुमार सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. इंद्रजीत कुमार, जीविका जिला कार्यालय के प्रतिनिधि कृष्ण रंजन सिंह, प्रखंड परियोजना प्रबंधक आकाश कुमार एवं जीविका संकुल की दीदियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मेले में मधुबन के अलावा तेतरिया, फेनहारा एवं पकड़ीदयाल प्रखंड से बड़ी संख्या में बेरोजगार युवक-युवतियां पहुंचे। शिवशक्ति बायोटेक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, होप केयर, क्वेस्कॉर्प एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सहित विभिन्न कंपनियों के स्टॉल लगाए गए, जहां अभ्यर्थियों ने आवेदन और साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया। जीविका रोजगार प्रबंधक अभिषेक आनंद ने बताया कि मेले में कुल 1561 युवाओं ने पंजीकरण कराया। विभिन्न कंपनियों द्वारा 256 अभ्यर्थियों को नियुक्ति के अगले चरण के लिए चयनित किया गया। इसके अतिरिक्त 306 अभ्यर्थियों ने कौशल विकास एवं नियोजन के तहत एसएमओ और हाउसकीपिंग ट्रेड में आवेदन किया, जबकि 188 अभ्यर्थियों ने आरसेटीआई (RSETI) प्रशिक्षण हेतु आवेदन दिया। अपने संबोधन में विधायक राणा रणधीर सिंह ने कहा कि जीविका परियोजना ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। ऐसे आयोजनों से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन स्वास्थ्य एवं पोषण प्रबंधक रमण कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन बीपीएम मधुबन आकाश कुमार ने किया। मौके पर जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी, क्षेत्रीय समन्वयक, सामुदायिक समन्वयक तथा बड़ी संख्या में जीविका दीदियां उपस्थित रहीं।

संक्षिप्त समाचार

शराब कांड का आरोपी व दहेज हत्याकांड में महिला गिरफ्तार

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के मेहवा गांव से शुक्रवार को शराब कांड के आरोपी उमेश सहनी को तथा दहेज हत्याकांड की प्राथमिक अभियुक्त लमौनिया निवासी ज्ञानी ठाकुर की पत्नी प्रमिला देवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुष्टि थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने की।

यूपी से बिहार लाई जा रही सागवान लदी पिकअप जब्त

बीएनएम@ बगहाः बगहा पुलिस जिला के अंतर्गत वन विभाग की टीम ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। बगहा वन क्षेत्र के रेंजर श्रीमान मालाकार के कुशल नेतृत्व में की गई इस छापेमारी के दौरान सागवान की कीमती लकड़ी से लदी एक पिकअप वैन को जब्त किया गया है। यह कार्रवाई उस समय हुई जब वन विभाग की टीम, जिसमें वनरक्षी अंजू देवी और वनकर्मी इरशाद आलम शामिल थे, धनहा रेतवाल बुद्ध सेतु पुल के समीप रात्रि गश्ती पर तैनात थी। टीम को देखते ही तस्करों में हड़कंप मच गया और चालक अंधेरे का लाभ उठाकर वाहन छोड़कर मौके से फरार होने में सफल रहा।जांच के दौरान जब्त पिकअप से सागवान की 19 पीस गुल्ली और लगभग चार क्विंटल अवैध लकड़ी बरामद की गई है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि जब्त वाहन उत्तर प्रदेश का है और लकड़ी की तस्करी कर इसे बिहार की सीमा में खपाने के लिए लाया जा रहा था। रेंजर श्रीमान मालाकार ने स्पष्ट किया है कि वन अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और फरार चालक की पहचान के लिए सघन जांच जारी है। वन विभाग की इस त्वरित कार्रवाई ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय लकड़ी माफियाओं के हौसले पस्त कर दिए हैं।

भारत की प्रगति से कांग्रेस को लगती है मिर्चीःभाजपा प्रदेश अध्यक्ष

बीएनएम@पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने टी-शर्ट उतारकर किए गए इस प्रदर्शन को देश का अपमान बताते हुए कहा कि कांग्रेस का यह कृत्य भारत की वैश्विक छवि को धूमिल करने वाली एक सोची-समझी साजिश है। सरावगी ने जोर देकर कहा कि जब पूरी दुनिया भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक उभरते हुए नेतृत्वकर्ता के रूप में देख रही है, तब कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को शर्मिंदा करने का रास्ता चुना है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे भारत को प्रगति करते हुए नहीं देख सकते। उन्होंने कांग्रेस के पुराने ट्रैक रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर डोकलाम विवाद तक, कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा और सेना के मनोबल पर सवाल उठाए हैं। सरावगी के अनुसार, 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों और वैश्विक विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया गया यह 'भद्दा' प्रदर्शन भारत के दुश्मनों के हितों को साधने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी भारत का सम्मान बढ़ता है, राहुल गांधी और वाड्रा परिवार इसे पचा नहीं पाते। अंत में, उन्होंने मांग की कि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा को इस अशोभनीय कृत्य के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

डीएम ने जनता दरबार में 400 फरियादियों की सुनी समस्या

बीएनएम@ गयाजी। गया समाहरणालय सभागार में आयोजित जनता दरबार में जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने लगभग 400 फरियादियों की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुना और उनके त्वरित निष्पादन का भरोसा दिलाया। राज्य सरकार के सात निश्चय-3 के अंतर्गत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' अभियान के तहत यह आयोजन नागरिकों की दैनिक कठिनाइयों को दूर करने के उद्देश्य से किया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक सप्ताह के सोमवार और शुक्रवार को पंचायत से लेकर जिला स्तर तक के सभी सरकारी कार्यालयों में अधिकारी निर्धारित समय पर आम जनता से मिल रहे हैं।डीएम ने प्रशासनिक तंत्र को सरकार के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि जिला प्रशासन पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर दिया कि आम जनता को सरकारी सेवाओं के लाभ में कोई असुविधा न हो, इसके लिए संपूर्ण तंत्र सजग है। इस पहल का मूल उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल बनाकर आम आदमी के जीवन को और अधिक सुगम बनाना है।

शांतिपूर्ण संपन्न हुआ जदयू का प्रखंड चुनाव

काशिफ अंसारी के हाथों में सौंपी गई कमान

बीएनएम@ गया जी शहर के नगर प्रखंड क्षेत्र स्थित बिथो शरीफ दरगाह के समीप एक निजी होटल में शुक्रवार को जनता दल (यूनाइटेड) का सांगठनिक चुनाव 2026 शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी की प्रत्यक्ष देखरेख में आयोजित इस प्रक्रिया में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चुनाव कार्यक्रम के तहत नामांकन की प्रक्रिया सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चली, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए केवल मोहम्मद काशिफ अंसारी ने अपना पर्चा दाखिल किया।निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी अन्य प्रत्याशी द्वारा दावेदारी पेश नहीं किए जाने के कारण, निर्वाचन अधिकारी ने दोपहर 1:00 बजे औपचारिक घोषणा करते हुए मोहम्मद काशिफ अंसारी को जदयू नगर प्रखंड चंदौती का निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। इस सांगठनिक सफलता पर बेलागंज विधायक मनोरमा देवी, जदयू युवा जिला अध्यक्ष सह उप प्रमुख सतीश पटेल और जिला उपाध्यक्ष शहजाद शाह सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी। नवनियुक्त अध्यक्ष के चयन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा देखी गई। इस अवसर पर मोहम्मद परवेज आलम, विकास कुमार, दिग्विजय सिंह और शमशेर आलम समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"दवा घर में दफन सच" : सीएचसी पताही में लाखों की एक्सपायर्ड दवाएं बरामद, व्यवस्था पर सवाल"

बीएनएम @ पताही @ श्रीनिवास कुमार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताही में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। चिकित्सा प्रभारी के लिए आवंटित आवास की सफाई के दौरान एक कमरे से भारी मात्रा में दवाएं बरामद हुईं, जो पूरी तरह एक्सपायर पाई गईं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इन दवाओं की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। यह खुलासा न केवल प्रशासनिक ढिलाई को दर्शाता है, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जानकारी के अनुसार हाल ही में केंद्र पर नए चिकित्सा प्रभारी की नियुक्ति हुई है। प्रभार ग्रहण करने के बाद जब प्रभारी आवास की सफाई कराई गई, तब एक कमरे में दवाओं के कई कार्टन और पैकेट पड़े मिले। जांच में स्पष्ट हुआ कि वहां रखी सभी दवाएं एक्सपायर हो चुकी हैं। दवाओं का समय पर वितरण या उपयोग न कर उन्हें कमरे में छोड़ दिया गया, जिससे वे बेकार हो गईं। मामला इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि क्षेत्र के मरीज लंबे समय से अस्पताल में दवाओं की कमी की शिकायत करते रहे हैं। कई जरूरतमंदों को बाजार से महंगी दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। ऐसे में सरकारी स्टॉक का इस तरह नष्ट हो जाना सीधे तौर पर मरीजों के अधिकारों और सरकारी धन की बर्बादी से जुड़ा मुद्दा बन गया है। वर्तमान चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा ने बताया कि उन्हें हाल ही में जिम्मेदारी सौंपी गई है और पूर्व प्रभारी द्वारा पूर्ण रूप से प्रभार हस्तांतरण अभी नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि आवास की सफाई के दौरान ही दवाएं मिलीं और सभी एक्सपायर थीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरे मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी जाएगी, ताकि जांच कर उचित कार्रवाई की जा सके। स्थानीय लोगों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय पर दवाओं का वितरण हुआ होता तो मरीजों को राहत मिलती और सरकारी संसाधनों की बर्बादी नहीं होती। अब निगाहें स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हैं कि इस गंभीर लापरवाही पर कितनी तेजी और पारदर्शिता से कार्रवाई होती है।

पति की हत्या में पत्नी को उम्रकैद और 1 लाख जुर्माना

बीएनएम@बगहा

बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित धनहा थाना क्षेत्र के एक सनसनीखेज मामले में न्यायालय ने त्वरित न्याय देते हुए पति की हत्यारी पत्नी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेंद्र मिश्रा की अदालत ने आरोपी नेहा उर्फ नूरजहां को अपने पति मनोज की चाकू मारकर हत्या करने का दोषी पाया। न्यायालय ने उसे आजीवन सश्रम कारावास के साथ एक लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है; जुर्माना न भरने पर उसे छह माह की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। यह पूरा मामला धनहा थाना कांड संख्या 204/25 से जुड़ा है, जो 23 जून 2025 की रात का है।अभियोजन पक्ष के अनुसार, नेहा ने रात के अंधेरे में अपने पति पर चाकू से जानलेवा हमला किया था। इस मामले में सबसे निर्णायक साक्ष्य मृतक मनोज का 'मृत्यु पूर्व बयान' (Dying Declaration) रहा, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग पुलिस ने कोर्ट में पेश की थी। घायल अवस्था में मनोज ने स्पष्ट रूप से अपनी पत्नी पर वार करने का आरोप लगाया था। साथ ही, मृतक की मां की गवाही और वारदात में इस्तेमाल चाकू की बरामदगी ने मामले को और पुख्ता कर दिया। समाज में कड़ा संदेश देने के उद्देश्य से इस मामले का स्पीडी ट्रायल चलाया गया, जिसमें महज 30 दिनों के भीतर आठ गवाहों के बयान दर्ज कर फैसला सुना दिया गया। इस घटना ने दो मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया छीन लिया और मां को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

डुमरियाघाट में घर का ताला तोड़कर चोरी, जेवर-नकदी समेत कई सामान गायब

बीएनएम@डुमरियाघाट

डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के रामपुर खजुरिया गांव में गुरुवार देर रात चोरों ने एक घर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना 20 फरवरी 2026 की बताई जा रही है। पीड़ित लाल बाबू मिश्रा पिता स्व. रामलखन मिश्रा ने थानाध्यक्ष को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है वह अपने ननिहाल केसरिया थाना क्षेत्र के बैरिया गांव में रहते थे। घर आने पर देखा तो रामपुर खजुरिया बाजार स्थित उनके घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। आवेदन के अनुसार, जब वे अपने घर पहुंचे तो मुख्य गेट और कमरे का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर रखा सोने-चांदी का जेवर, मोटर, इन्वर्टर, पेटी में रखे कपड़े, आवश्यक कागजात, नकदी समेत अन्य कीमती सामान गायब थे। चोरी की घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। सूचना मिलते ही पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है।

रक्सौल में 34 लाख के रिफाइंड तेल घोटाले का भंडाफोड़, ट्रक समेत माल बरामद

बीएनएम @ रक्सौल @ अमलेश कुमार

पूर्वी चंपारण के रक्सौल थाना क्षेत्र में पुलिस ने रिफाइंड तेल लदे ट्रक से जुड़ी बड़ी धोखाधड़ी की साजिश का खुलासा किया है। नेपाल से लाए गए लाखों रुपये के तेल को बीच रास्ते बेचने की योजना बना रहे ट्रक चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने ट्रक सहित कुल 34 लाख 45 हजार 886 रुपये मूल्य का माल बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 14 फरवरी को ट्रक (संख्या JH10BJ-7296) बालू लादकर आया था। ट्रक मालिक बब्लू साह को रिफाइंड तेल लोड कराने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद 15 फरवरी को नेपाल के जीतपुर (बारा) से 1310 कार्टन रिफाइंड टीन, जिसकी कीमत 27 लाख 51 हजार रुपये बताई गई, तथा बीरगंज से 700 पीस कार्टून, जिसकी कीमत 6 लाख 94 हजार 886 रुपये थी, ट्रक पर लोड किए गए। 17 फरवरी को माल की कस्टम क्लियरिंग कर इसे कोरबा (छत्तीसगढ़) के लिए रवाना किया गया। आरोप है कि 5000 रुपये लोडिंग खर्च देने के बाद ट्रक को सिंहपुर हरैया स्थित यादव पार्किंग में खड़ा कर चालक सोनू कुमार दांगी (निवासी चौपारण, हजारीबाग, झारखंड) ने स्थानीय कबीर आलम (लक्ष्मीपुर, रक्सौल), ट्रक मालिक बब्लू साह और रंजन कुमार के साथ मिलकर माल को असामाजिक तत्वों के माध्यम से बेचने की साजिश रची। मामले की भनक लगते ही ट्रक मालिक ने हरैया थाना को सूचना दी। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए चालक सोनू कुमार दांगी और कबीर आलम को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि बब्लू साह और रंजन कुमार फरार हो गए हैं। पूछताछ के दौरान कबीर आलम ने स्वीकार किया कि पूर्व में भी इस प्रकार की साजिश को अंजाम दिया जा चुका है। चालक सोनू ने बताया कि पूरी योजना बब्लू साह और रंजन कुमार ने तैयार की थी। पुलिस ने ट्रक सहित संपूर्ण माल को जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। मौके पर रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद, हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान और अपर थानाध्यक्ष सोनालाल कुमार मौजूद रहे। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

केंद्रीय मंत्री ने 44 विस्थापित परिवारों को सौंपा बास भूमि पर्चा

बीएनएम@गयाजी

गया जी समाहरणालय सभागार में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने नगर अंचल के 44 भूमिहीन परिवारों को बास भूमि पर्चा वितरित किया। ये सभी परिवार पूर्व में आजाद नगर मौजा कंडी स्थित वन विभाग की भूमि पर बसे हुए थे, जिन्हें अब बिहार सरकार की सुरक्षित जमीन पर विधिवत शिफ्ट किया गया है।केंद्रीय मंत्री ने जिलाधिकारी शशांक शुभंकर को कड़े निर्देश दिए कि इन विस्थापित परिवारों के नए निवास स्थान पर सड़क, शुद्ध पेयजल, बिजली, नाली-गली और बच्चों की शिक्षा के लिए विद्यालय जैसी बुनियादी सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि वन विभाग पुरानी भूमि पर एक बड़े पार्क का निर्माण कर रहा है, इसलिए इन परिवारों को इसी मौजे की सरकारी जमीन पर बसाया गया है। प्रशासन की योजना इस स्थान को एक आदर्श कॉलोनी के रूप में विकसित करने की है, जहाँ सभी को आवास योजना और राज्य सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

डुमरियाघाट में ट्रक और ट्रैक्टर में भिड़ंत, ट्रैक्टर चालक की मौत दूसरा जख्मी

नेशनल हाइवे 27 पर धनगढ़हां चौक के समीप हुआ हादसा, हादसा का कारण गलत दिशा में ट्रैक्टर का परिचालन बताया जा रहा है

बीएनएम@डुमरियाघाट

नेशनल हाईवे 27 पर धनगढ़हां चौक के समीप शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें ट्रक और ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर पर सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान संदीप कुमार के रूप में की गई जो रामचंद्र राम का पुत्र है। वहीं जख्मी व्यक्ति की पहचान राजकुमार के रूप में की गई जो भगवान राम का पुत्र बताया जा रहा है। दोनों पिपरा थाना क्षेत्र के कुंवरपुर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

गलत दिशा से आ रहा था ट्रैक्टर :-प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धनगढ़हां चौक के सामने एक लोडर जुड़ा ट्रैक्टर गलत दिशा यानी पूरब साइड से आ रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए और चालक गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस ने संभाला मोर्चा :-घटना की सूचना मिलते ही डुमरियाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुअनि सह प्रभारी थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है। वहीं जख्मियों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

वाहनों को किया गया जब्त :-पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले में अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण गलत दिशा में वाहन चलाना बताया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर नेशनल हाईवे 27 पर बढ़ती लापरवाही और गलत दिशा में वाहन चलाने की समस्या को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से चौक पर ट्रैफिक नियंत्रण और सख्ती बढ़ाने की मांग की है।

भारत पर दोहरी मार

डील के मुताबिक अमेरिका से आयातित कपास से जो वस्त्र बांग्लादेश में बनेगा, उस पर अमेरिका में शून्य आयात शुल्क लगेगा। इस तरह बांग्लादेश के उत्पादक अब भारतीय कपास के बजाय अमेरिकी कपास खरीदने के लिए प्रेरित होंगे।

भारत में सरकार समर्थक लोग अभी ये जश्न मना ही रहे हैं कि ट्रेड डील के बाद भारत के वस्त्र जैसे श्रम-केंद्रित उद्योगों के उत्पादों को अमेरिकी बाजार में अनुकूल स्थितियां मिलेंगी, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने बांग्लादेश को भारत के बड़े प्रतिस्पर्धी के रूप में खड़ा कर दिया है। अमेरिका से हुए ट्रेड डील के बाद बांग्लेदश के उत्पादों पर अब अमेरिका में 37 के बजाय 19 फीसदी टैरिफ ही लगेगा। वैसे टैरिफ के मामले में भारतीय उत्पादों को फिर भी एक फीसदी का लाभ है, लेकिन भारत को असल नुकसान डील के एक दूसरे प्रावधान से होगा। उसके मुताबिक अमेरिका से आयातित कपास से जो वस्त्र बांग्लादेश में बनेगा, उस पर शून्य आयात शुल्क लगेगा। इस तरह बांग्लादेश के उत्पादक अब भारतीय कपास के बजाय अमेरिकी कपास खरीदने के लिए प्रेरित होंगे। इससे भारतीय कपास उत्पादकों का एक अहम बाजार छिन जाएगा। कुल मिलाकर डील में ऐसे प्रावधान हैं, जिससे बांग्लादेशी उत्पादक 70 फीसदी तक अमेरिकी इनपुट का इस्तेमाल कर सकेंगे। यानी डील से दोनों पक्षों को लाभ होगा। बांग्लादेश से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 95 फीसदी हिस्सा कपड़े का रहा है। अतः ये डील बांग्लादेश के लिए संजीवनी बन कर आया है। भारत से टैरिफ में जो एक फीसदी अंतर है, उसे अमेरिकी आयातक और बांग्लादेशी उत्पादक आसानी से आपस में एडजस्ट कर सकेंगे। इस तरह अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्त्र उत्पादकों के लिए बांग्लादेश मजबूत प्रतिस्पर्धी बन जाएगा। बांग्लादेश ने अमेरिका से गेहूं, सोयाबीन, मक्का, मोटर पाट-पुर्जे, मेडिकल उपकरण और विमान खरीदने का वादा भी किया है। लेकिन डील में भारत जैसी पांच साल में 500 बिलियन डॉलर की खरीदारी की कोई शर्त शामिल नहीं की गई है। तो बांग्लादेश कितनी खरीदारी करेगा, यह उसकी जरूरतों से तय होगा। यानी बांग्लादेश भारत की तुलना में अमेरिका से अपने लिए अधिक अनुकूल व्यापार समझौता करने में सफल रहा है। दूसरी तरफ इस डील का सर्वाधिक दुष्प्रभाव संभवतः भारत पर ही पड़ेगा, क्योंकि अब तक बांग्लादेश भारत के गेहूं, सोयाबीन, मक्का, मोटर पाट-पुर्जे, और मेडिकल उपकरण का भी बड़ा खरीदार रहा है।

तंबाकू महामारी-स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और नैतिकता पर बहुआयामी आघात तथा भारत में पूर्ण निषेध की तात्कालिक आवश्यकता

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है- व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू करना जरूरी वैश्विक स्तरपर तंबाकू का सेवन आज केवल एक व्यक्तिगत आदत या सामाजिक व्यवहार का विषय नहीं रह गया है,बल्कि यह एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा का रूप ले चुका है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व स्तरपर प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। यह आंकड़ा किसी युद्ध, प्राकृतिक आपदा या महामारी से कम नहीं है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में तंबाकू का प्रभाव और भी गंभीर है,जहाँ लाखों लोग प्रतिवर्ष कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों और अन्यजटिलताओं के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो जाते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्ि तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं,बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि क्या केवल कर वृद्धि और चेतावनी संदेश पर्याप्त हैं?या फिर अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू पर व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू किया जाए। स्वास्थ्य की दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव बहुआयामी और घातक है। धूम्रपान और धुंआ रहित तंबाकू दोनों ही शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करते हैं। फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर, गले का कैंसर,हृदयाघात,स्ट्रोक,क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज जैसी बीमारियाँ तंबाकू सेवन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। भारत में विशेष रूप से मुंह के कैंसर के मामलों की संख्या अत्यधिक है, जिसका मुख्य कारण गुटखा, पान मसाला और अन्य धुंआ रहित तंबाकू उत्पाद हैं। यह स्थिति केवल सक्रिय उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरों के धुएँ के संपर्क में आने से बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम का सामना करते हैं। गर्भवती महिलाओं पर इसका प्रभाव भ्रूण के विकास को बाधित कर सकता है, जिससे कम वजन वाले शिशु जन्म लेते हैं या जन्मजात विकृतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। तंबाकू प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे टीबी जैसी संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस प्रकार तंबाकू एक ऐसी महामारी है जो गैर-संचारी और संक्रामक दोनों प्रकार की बीमारियों को बहुत तेजी से बढ़ावा देती है। साथियों बात अगर हम भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए पहले से मौजूद कानूनों को समझने की करें तो, जैसे सिगरेटटेस अदर टोबैक्को प्रोडक्ट्स एक्ट 2003, जो सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध,विज्ञापन प्रतिबंध और पैकेजिंग पर स्वास्थ्य चेतावनी जैसे प्रावधान करता है। शहर अनेकों कानून है अनेक राज्यों में तंबाकू पर प्रतिबंध भी है इसके अतिरिक्त भारत ने डब्लूएचओ फ्रेमवर्क कान्वेंशन ऑन टोबैको कण्ट्रोल पर हस्ताक्षर किए हैं, जो वैश्विक स्तर पर तंबाकू नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संधि है।बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर तंबाकू की उपलब्धता,सुलभता और सामाजिक स्वीकार्यता कम नहीं हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गुटखा और बीड़ी आसानी से उपलब्ध हैं। छोटे दुकानों और पान ठेलों पर इन्हें खुलेआम बेचा जाता है, जिससे किशोर और युवा वर्ग भी इसके संपर्क में आ जाते हैं।यह दर्शाता है कि वर्तमान व्यवस्था में कठोर प्रवर्तन और व्यापक प्रतिबंध की कमी है। साथियों बात अगर हम सामाजिक दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक है इसको समझने की करें तो धूम्रपान करने वाले व्यक्ति अक्सर परिवार में तनाव, आर्थिक दबाव और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अलगाव का अनुभव करते हैं। जब परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकू जनित बीमारी से ग्रसित होता है, तो पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में फँस जाता है। बीड़ी उद्योग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत लाखों श्रमिक विशेषकर महिलाएँ और बाल श्रमिक अत्यंत दयनीय परिस्थितियों में काम करते हैं। वे स्वयं भी तंबाकू धूल और रसायनों के संपर्क में आकर स्वास्थ्य जोखिम उठाते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि तंबाकू उद्योग का बोझ मुख्यतः गरीब और अशिक्षित वर्ग पर पड़ता है। जो लोग पहले से आर्थिक रूप से कमजोर हैं, वे तंबाकू पर खर्च करके और अधिक निर्धनता की ओर बढ़ते हैं। इस प्रकार तंबाकू केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का अत्यंत सटीक प्रश्न भी है।

साथियों बात कर हम नैतिक दृष्टिकोण से तंबाकू उद्योग की भूमिका गंभीर बहस का विषय है इसको समझने की करें तो जब यह स्पष्ट है कि तंबाकू सेवन से मृत्यु और गंभीर रोग होते हैं, तब भी इसका उत्पादन और विपणन जारी रहना नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उद्योग का मूल उद्देश्य लाभ कमाना है, परंतु यह लाभ मानव जीवन की कीमत पर प्राप्त होता है। युवाओं को आकर्षित करने के लिए परोक्ष विज्ञापन,फिल्मी दृश्यों में धूम्रपान का ग्लैमराइजेशन और रंगीन पैकेजिंग जैसी रणनीतियाँ अपनाई जाती हैं। किशोर अवस्था में शुरू हुई लत जीवन भर की निर्भरता बन जाती है। यह आने वाली पीढ़ी की उत्पादकता और स्वास्थ्य को कमजोर करता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी तंबाकू की खेती और उत्पादन विनाशकारी है।अनुमान है कि लगभग हर 300 सिगरेट के उत्पादन में एक पेड़ काटा जाता है। तंबाकू की खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग भूमि और जल को प्रदूषित करता है। सिगरेट के टुकड़े (बट्स) प्लास्टिक आधारित होते हैं और पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। इस प्रकार तंबाकू केवल मानव स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय नैतिकता के भी विरुद्ध है। साथियों बात अगर हम आर्थिक दृष्टिकोण से तंबाकू का तर्क को समझने की करें तो अक्सर राजस्व पर आधारित होता है। सरकार को तंबाकू उत्पादों से कर प्राप्त होता है, जिसे सार्वजनिक सेवाओं में लगाया जाता है। परंतु जब हम व्यापक आर्थिक विश्लेषण करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि तंबाकू से होने वाला कुल आर्थिक नुकसान उसके राजस्व से कहीं अधिक है। तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर होने वाला प्रत्यक्ष खर्च अस्पताल, दवाएँ, सर्जरी और अप्रत्यक्ष खर्च काम पर अनुपस्थिति, उत्पादकता में कमी, समयपूर्व मृत्यु मिलाकर राष्ट्रीय आय पर भारी बोझ डालते हैं। गरीब परिवार अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा तंबाकू पर खर्च करते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा,पोषण और स्वास्थ्य पर खर्च कम हो जाता है। यह अंतरपीढ़ी गरीबी को बढ़ाता है। यदि तंबाकू से होने वाली बीमारियों और मृत्यु से जुड़ी आर्थिक लागत का समग्र मूल्यांकन किया जाए, तो यह स्पष्ट होगा कि राष्ट्र को शुद्ध रूप से नुकसान ही हो रहा है। साथियों बात अगर हम सरकार की वर्तमान रणनीति और भविष्य में तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध कानून को बनाने की करें तो वर्तमान में मुख्यतः कर वृद्धि (टैक्स स्ट्राइक), चेतावनी चित्रों और जनजागरूकता अभियानों पर आधारित है।यह रणनीति कुछ हद तक प्रभावी अवश्य रही है, परंतु पूर्ण समाधान नहीं दे पाई है।जब तकतंबाकू उत्पाद बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, तब तक लत से ग्रसित व्यक्ति उन्हें खरीदने का तरीका खोज लेगा। कर वृद्धि से अवैध व्यापार और तस्करी की संभावना भी बढ़ जाती है। अतः यह तर्क दिया जा सकता है कि अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू,विशेषकर गुटखा और धुंआ रहित उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए व्यापक और कठोर कानून बनाया जाए। राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम,2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत किए जाते हैं, तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम हो सकता है।

हरियाणा में एचआईवीः पहचान मजबूत, रोकथाम अभी अधूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

वित्त वर्ष 2025-26 में हरियाणा सरकार द्वारा 12.4 लाख से अधिक लोगों की एचआईवी जांच और 5877 पॉजिटिव मामलों की पहचान- यह तथ्य पहली दृष्टि में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की सक्रियता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नीति-स्तरीय गंभीरता का प्रमाण प्रतीत होता है। इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग किसी भी राज्य के लिए न तो सरल होती है और न ही सहज। इसके लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल, संस्थागत ढांचा और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से देखें तो यह उपलब्धि हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और प्राथमिकताओं को दर्शाती है। यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल "सीमित समुदायों" या "हाशिये के समूहों" से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है लेकिन यही आंकड़े जब गहराई से पढ़े जाते हैं, तो वे एक साथ यह चेतावनी भी देते हैं कि संक्रमण की सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक जड़ें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने लोगों की जांच हुई, बल्कि यह है कि संक्रमण को जन्म देने वाले कारणों पर कितनी प्रभावी रोक लगी। राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से अधिक लोगों का नियमित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है। इस अभियान का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव गर्भवती महिलाओं की बड़े पैमाने पर जांच में दिखाई देता है। 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग और 613 पॉजिटिव मामलों की पहचान यह दर्शाती है कि मां से बच्चे में संक्रमण रोकने को गंभीरता से प्राथमिकता दी जा रही है। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि समय रहते एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला को उपचार और परामर्श मिल जाए तो नवजात को संक्रमण से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। यह केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है, क्योंकि एचआईवी-मुक्त शिशु को उस कलंक और भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता, जो आज भी संक्रमित बच्चों के जीवन को सीमित कर देता है। दिसंबर 2021 से लागू 2250 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता योजना, जिसके तहत अब तक 54.3 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, यह संकेत देती है कि राज्य सरकार बीमारी को केवल चिकित्सा समस्या के रूप में नहीं देख रही। एचआईवी से प्रभावित व्यक्ति अक्सर रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और आर्थिक स्थिरता- तीनों से वंचित हो जाता है। बीमारी के साथ जुड़ा सामाजिक भय और भेदभाव उसकी आजीविका के अवसरों को भी सीमित कर देता है। ऐसे में यह वित्तीय सहायता इलाज के साथ जीवन की बुनियादी गरिमा बनाए रखने का एक प्रयास है। भले ही मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि अपर्याप्त प्रतीत हो। फिर भी, कुल जांच के मुकाबले 0.47 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते आए हैं कि एचआईवी के मामले अक्सर वास्तविक संख्या से कम रिपोर्ट होते हैं। सामाजिक कलंक, भय, गोपनीयता को लेकर आशंका और जानकारी की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वैच्छिक जांच से बचते हैं। ऐसे में सामने आए 5877 मामले संभवतः समस्या की पूरी तस्वीर नहीं, बल्कि उसका एक सीमित हिस्सा मात्र हैं। यह दर राज्य में मौजूद उन सामाजिक कारकों की ओर भी संकेत करती है, जो संक्रमण को बढ़ावा देते हैं- जैसे नशीली दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग, असुरक्षित यौन व्यवहार, तेज शहरीकरण और प्रवासी श्रमिकों की अस्थिर जीवन-स्थितियां। यौनकर्मी, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निःस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है। नशे की समस्या को केवल उपचार या दवा वितरण तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक इसे सामाजिक पुनर्वास, रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन से नहीं जोड़ा जाता, तब तक एचआईवी नियंत्रण अधूरा ही रहेगा। इस पूरी लड़ाई में सबसे बड़ी और सबसे अदृश्य बाधा आज भी कलंक है। लोग बीमारी से कम और समाज की प्रतिक्रिया से अधिक डरते हैं। एचआईवी आज भी नैतिकता, चरित्र और "गलती" के साथ जोड़कर देखा जाता है, जबकि यह एक चिकित्सकीय स्थिति है। यही सोच लोगों को जांच से दूर रखती है, इलाज में देरी कराती है और संक्रमण को चुपचाप फैलने का अवसर देती है। रेड रिबन क्लब, रेडियो जिंगल और सोशल मीडिया अभियानों से जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण इलाकों और पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं तक यह संदेश अभी भी पूरी मजबूती से नहीं पहुंच पाया है। एचआईवी नियंत्रण को केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मानना एक बड़ी रणनीतिक भूल होगी। सुरक्षित प्रवास, श्रमिक कल्याण, नशामुक्ति, लैंगिक समानता और वैज्ञानिक यौन शिक्षा, ये सभी विषय सीधे इस समस्या से जुड़े हैं। प्रवासी श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर जांच, परामर्श और इलाज की व्यवस्था न केवल संक्रमण को नियंत्रित कर सकती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा भी बढ़ा सकती है। परिवहन, श्रम, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभागों के साथ समन्वय के बिना कोई भी प्रयास स्थायी परिणाम नहीं दे सकता। भारत के "एड्स मुक्त" लक्ष्य को हासिल करने में राज्यों की भूमिका निर्णायक है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा तय की गई रणनीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने में हरियाणा जैसे संसाधन-संपन्न और प्रशासनिक रूप से सक्षम राज्य अगर संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हैं, तो वे केवल आंकड़ों में सफलता हासिल नहीं करेंगे, बल्कि नीति-मॉडल के रूप में भी उभर सकते हैं। अंततः, हरियाणा का एचआईवी जांच अभियान निःस्संदेह एक बड़ी उपलब्धि है। इसने यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप संभव हैं, लेकिन यह सफलता तभी पूर्ण मानी जाएगी जब इसके साथ जुड़ी चेतावनियों को गंभीरता से सुना जाए। यदि राज्य कलंक तोड़ने, रोकथाम को इलाज जितनी प्राथमिकता देने और संक्रमण के सामाजिक कारणों पर ईमानदारी से काम करने में सफल होता है, तो आज के आंकड़े कल की सफलता की कहानी बनेंगे।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा। आज बच्चे आपने माता पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम स्टार्ट करने की सोच सकते है, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें की दूसरों से तभी दोस्ती करें और अपनी बाते शेयर करें जब उसके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उसे भली-भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता आपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। लोग आपकी प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे।

मिथुन राशि : आज का दिन खुशियां लेकर आया है। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगायेंगे तो आपकी रचनात्मक प्रतिभा सबके सामने खुलकर आएगी, लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ जायेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। आज का आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा। शाम का समय भाई बहनों के साथ हंसी-मजाक में बीतेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज काम के हिसाब से फल मिलेंगे। जिस बड़े लक्ष्य को पूरा करने की इच्छा है, उससे संबंधित रास्ता मिलेगा। समय का सही इस्तेमाल करके काम पूरा करें। आज सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे।

सिंह राशि : आज का दिन आपके जीवन में खुशियाँ लेकर आया है। आज बच्चों को करियर के मामले में बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेगी। युवाओं को बढ़िया नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या राशि : आज का दिन फायदेमंद साबित होने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से भी पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी इससे आपका सकारात्मक विचार बनेगा। ऑफिस के कार्यों को करते समय फोकस बनायें रखें।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। आज अपने काम को आसान तरीके से करने का रास्ता निकाल लेंगे। नई योजना पर काम शुरू हो सकता है। परिवार की जिम्मेदारी सही तरीके से निभाएंगे, जिससे प्रसन्नता बनी रहेगी। पैसों से संबंधित चिंता दूर होगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज आपकी इच्छा शक्ति मजबूत बनी रहेगी। आज आपको अपने अन्दर इगो लेन से बचना होगा।

धनु राशि : आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। करीयर को बढ़ाने मे किये गये प्रयासों के चलते लाभ होगा। आज अपने प्रिय व्यक्ति की निकटता से आपको खुशी होगी। आज आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। संतान की सफलता के कारण, घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी, आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है, मेहनत के अच्छे परिणाम आपको हासिल होंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप समाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। आज परिस्थितियों को ठीक से देखेंगे तो हर एक समस्या को हल कर पाएंगे। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सुखद रहेगी।

मीन राशि :आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आज अपनी जरूरत का सामान खरीदेंगे। दांपत्य जीवन में और मधुरता आएगी। आज नकारात्मक विचारों को दूर करके खुद में सुधार करेंगे। आज गुस्से को नियंत्रित करने की कोशिश करें। आज आपको काम की जगह नए अवसर मिलेंगे।

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम "बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज़" है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं। इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा। यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ।

आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएल की तैयारियां करते नजर आये शुभमन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम आजकल जहां टी20 विश्वकप में व्यस्त है। वहीं इससे बाहर चल रहे एकदिवसीय और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आजकल आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। शुभमन आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस के भी कप्तान हैं। शुभमन को टी20 विश्वक कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में अब वह अगले माह मार्च में शुरु हो रहे आईपीएल की

तैयारियों में लगे हैं। इसी सिलसिल में शुभमन को नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा गया। इस दौरान उन्होंने टीम की नई ट्रेनिंग किट पहनी हुई थी। वह बल्लेबाजी के दौरान काफी अच्छे फार्म में दिखे। टाइटंस टीम के कोच आशीष नेहरा भी उनपर नजर रखे हुए थे। वह बल्लेबाजी सत्र के दौरान बड़ी आसानी से बड़े शॉट खेलते हुए दिखे। इस दौरान वह आत्मविश्वास से भरे दिखाई दिये। वहीं इससे पहले उन्हें खराब फॉर्म के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही टी20 टीम से बाहर कर उनकी जगह पर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। शुभमन को अंतिम बार रणजी ट्रॉफी में पंजाब की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते देखा गया था। जिसमे उन्होंने वह दोनो पारी में असफल रहे थे और कुल 14 रन ही बना पाये थे। अब वह आईपीएल 2026 में काफी रन बनाने चाहेंगे। शुभमन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही बरकरार रखा गया था। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपना पहला खिताब जीता था और इस बार कप्तान का लक्ष्य टीम को एक बार फिर खिताब जिताना रहेगा। शुभमन के नाम अब तक 118 आईपीएल मैचों में 3866 रन हैं।

होबार्ट चरण में नई ऊर्जा के साथ वापसी को तैयार भारतीय पुरुष हॉकी टीम

कप्तान हार्दिक सिंह के नेतृत्व में 20 से 25 फरवरी तक स्पेन और मेज़बान ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण पर फोकस कर चुकी है, जो 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया हॉकी सेंटर में खेला जाएगा। भारतीय टीम स्पेन और मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर नई शुरुआत करने के इरादे से उतरेगी। राउरकेला चरण से मिले अनुभवों के बाद भारतीय टीम ने सकारात्मक सोच के साथ खुद को फिर से तैयार किया है। आगामी मुकाबलों को टीम संयोजन परखने, रणनीति को मजबूत करने और इस साल होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप तथा एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने के अहम अवसर के रूप में देखा जा रहा है। 24 सदस्यीय टीम में

अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कई युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 21 फरवरी को स्पेन के खिलाफ करेगा, इसके बाद 22 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। 24 फरवरी को एक बार फिर स्पेन से मुकाबला होगा, जबकि 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच खेला जाएगा। हालिया रिकॉर्ड दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर का संकेत देते हैं। स्पेन के साथ पिछले 10 मुकाबलों में दोनों टीमों ने चार-चार जीत दर्ज की हैं, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे, जिन्हें भारत ने शूटआउट में जीता। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आंकड़े मेज़बान टीम के पक्ष में हैं, जहां पिछले 10 मैचों में उसे छह जीत मिली हैं, जबकि भारत ने दो मुकाबले जीते और दो ड्रॉ रहे। दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह को इस चरण के लिए कप्तान बनाया गया है। टीम में अमनदीप लकड़ा, मनमीत सिंह, अंगद वीर सिंह, अरिजीत सिंह हुंडाल और आदित्य अर्जुन लालगे जैसे युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने के लिए उत्सुक हैं। कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि टीम सकारात्मक और आक्रामक सोच के साथ मैदान पर उतरेगी तथा युवा खिलाड़ियों की ऊर्जा टीम के प्रदर्शन में नई धार जोड़ेगी। भारतीय टीम हॉबर्ट चरण में मजबूत प्रदर्शन कर बड़े टूर्नामेंटों से पहले आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी।

म्यांमार के यांगून में दो मैत्री मैच खेलेगी भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम म्यांमार के यांगून में 3 और 5 मार्च 2026 को दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। यह मुकाबले टीम की एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 की तैयारियों का हिस्सा हैं। 'ब्लू कोल्ट्स' के नाम से मशहूर भारतीय टीम इस वर्ष अब तक चार अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले खेल चुकी है। टीम ने गोवा में ताजिकिस्तान के खिलाफ दो और तुर्किये के अंताल्या में दो मैच खेले थे। तुर्किये दौरे से लौटने के बाद मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस की टीम गोवा में ही अभ्यास कर रही है। भारतीय दल 28 फरवरी को म्यांमार की राजधानी यांगून के लिए रवाना होगा। भारत की तरह म्यांमार ने भी एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026

के लिए क्वालीफाई किया है। म्यांमार ने क्वालीफायर के ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इस ग्रुप में ओमान, सीरिया, अफगानिस्तान और नेपाल जैसी टीमें शामिल थीं। एएफसी अंडर-17 एशियाई कप सऊदी अरब 2026 में भारत को ग्रुप-डी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला 6 मई को ऑस्ट्रेलिया, 10 मई को उज्बेकिस्तान और 13 मई को डीपीआर कोरिया से होगा।

टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने पांड्या

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच में अपनी 30 रनों की पारी और एक विकेट लेने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस पारी के साथ ही पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन और 200 विकेट लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। डच टीम के खिलाफ मैच में उन्होंने 3 ओवर में 40 रन देकर एक विकेट लिया। पांड्या ने साल 2013 में घरेलू टी-20 क्रिकेट में बड़ौदा की ओर से टी-20 डेब्यू किया था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के बल पर साल साल 2015 में मुंबई इंडियंस की आईपीएल टीम में जगह बनायी। जनवरी 2016 में आईपीएल खेलने के बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया गया। पांड्या ने साल 2016 टी-20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2018 में मुम्बई इंडियंस ने उन्हें रिटेन किया। वहीं 2022 में वे

गुजरात जायंट्स आईपीएल टीम के कप्तान बने और उसे पहले ही सत्र में टीम को विजेता बनाने में सफल रहे। आईपीएल 2024 में उन्होंने एक बार फिर मुंबई इंडियंस में वापसी करते हुए कप्तानी हासिल की। पांड्या ने 2024 टी20 विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

हाईकोर्ट ने सुशील कुमार की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार की जमानत अर्जी पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 4 मई को होगी। इससे छह फरवरी को रोहिणी कोर्ट ने सुशील की जमानत याचिका खारिज कर दी थी । उसी फैसले को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है। सुशील कुमार मई 2021 में हुए सागर हत्याकांड में आरोपी हैं और फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सागर हत्या के मामले में 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई हुई थी। तब शीर्ष अदालत ने सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी थी और एक सप्ताह के अंदर सरेंडर करने को

कहा था। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सागर धनखड़ के पिता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार किया था। याचिका में सुशील को जमानत देने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। गौरतलब है कि सुशील और अन्य लोगों पर 4 मई, 2021 को कथित संपत्ति विवाद को लेकर शहर के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग स्थल में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार पर जानलेवा हमला करने के आरोप है। अक्टूबर 2022 में, दिल्ली की एक निचली अदालत ने सुशील कुमार और 17 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे उनके मुकदमे की शुरुआत हुई थी।

व्यापार

सोना-चांदी के भाव में तेजी, घरेलू और वैश्विक बाजार में बढ़त

नई दिल्ली। सोना और चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुओं में मजबूत खरीदारी देखने को मिली, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार से भी सकारात्मक संकेत मिले।

देश के प्रमुख कमोडिटी एक्सचेंज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल वायदा 286 रुपये की बढ़त के साथ 1,55,105 रुपये पर खुला। इससे पहले इसका बंद भाव 1,54,819 रुपये था। इस समय सोना 559 रुपये की तेजी के साथ 1,55,378 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,55,378 रुपये का दिन का उच्च और 1,55,050 रुपये का निचला स्तर छुआ। चांदी के मार्च वायदा में भी अच्छी तेजी दर्ज की गई। यह 2,481 रुपये की उछाल के साथ 2,43,874 रुपये पर खुली। पिछला बंद भाव 2,41,393 रुपये था। इस समय चांदी 2,41,700 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 2,44,802 रुपये का उच्च और 2,41,245 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मजबूती का माहौल रहा। न्यूयॉर्क स्थित कॉमेक्स पर सोना 5,015 डॉलर प्रति औंस पर खुला और 5,014.70 डॉलर के आसपास कारोबार करता देखा गया। वहीं चांदी 78.47 डॉलर पर खुलकर 77.73 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर रही। वैश्विक बाजारों से मिल रहे मजबूत संकेतों के चलते कीमती धातुओं में निवेशकों की रुचि बनी हुई है।

किआ कार्निवाल नए अवतार में आ रही भारतीय बाजार में

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में लग्जरी कार किआ कार्निवाल अब नए अवतार में आने वाली है। कंपनी ने 2024 के अंत में इसका चौथी पीढ़ी वाला मॉडल पेश किया था, जिसके बाद इसके लुक, इंटीरियर और फीचर्स पहले से अधिक प्रीमियम हो गए। फिलहाल कार्निवाल भारत में सीकेडी रूट से आती है, लेकिन अब रिपोर्ट्स के मुताबिक किआ इसका पेट्रोल हाइब्रिड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी कर रही है, जो साल के अंत तक बाजार में दस्तक दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहले से उपलब्ध पेट्रोल हाइब्रिड मॉडल को ही भारत में पेश किए जाने की संभावना है। खास बात यह है कि इसकी कीमत मौजूदा डीजल वर्जन से कम रखी जा सकती है, जिससे यह अधिक ग्राहकों के लिए आकर्षक बनेगी। इसमें 1.6 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ हाइब्रिड सिस्टम मिलेगा, जो मिलकर लगभग 242 एचपी की पावर और 367 एनएम का टॉर्क देने में सक्षम होगा। साथ ही 54 केडब्ल्यू की इलेक्ट्रिक मोटर और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का संयोजन बेहतर परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार इसका माइलेज करीब 14.5 केएमपीएल तक रह सकता है। फीचर्स के मामले में भी कार्निवाल हाइब्रिड बेहद प्रीमियम होगी। इसमें 19-इंच ग्लॉस ब्लैक अलॉय व्हील्स, एलईडी हेडलैंप-टेललैंप, डुअल सनरूफ और डार्क एडिशन स्टाइलिंग जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। केबिन में पावर्ड स्लाइडिंग डोर्स, स्मार्ट पावर टेलगेट, बड़ा टचस्क्रीन डिस्प्ले और हीटेड स्टीयरिंग व्हील जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। सुरक्षा के लिए अडास फीचर्स की लंबी लिस्ट इसे अपने सेगमेंट की सबसे फीचर-लोडेड एमपीवी बना सकती है।

एआई बजट खर्च पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली। भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर बड़े स्तर पर आयोजन और नीतिगत घोषणाएं हो रही हैं, लेकिन बजट उपयोग और जमीनी प्रगति को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पिछले वर्ष केंद्र सरकार ने एआई क्षेत्र के विकास के लिए 2000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था, किंतु उपलब्ध जानकारी के अनुसार करीब 800 करोड़ रुपये ही खर्च हो सके। शेष राशि के उपयोग न हो पाने से नीति क्रियान्वयन की गति पर बहस तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को अपेक्षित वित्तीय सहायता समय पर नहीं मिल पाई, जिससे स्वदेशी एआई अनुसंधान प्रभावित हुआ है। आईटी विशेषज्ञों का कहना है कि उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर और दीर्घकालिक निवेश के बिना भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकता है। इधर एआई समिट

और तकनीकी मंचों पर विदेशी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। वैश्विक दिग्गज जैसे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और ओपन एआई भारतीय बाजार में अपने उत्पाद और समाधान तेजी से पेश कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत एआई उत्पादों का बड़ा उपभोक्ता बाजार बनता जा रहा है, लेकिन घरेलू उत्पादन और पेटेंट की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार यदि स्वदेशी नवाचार और निर्यात समान गति से नहीं बढ़े, तो आयात पर निर्भरता बढ़ने से व्यापार घाटा और विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ सकता है। रक्षा, विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों में एआई के सीमित उपयोग को भी विस्तार की जरूरत बताई जा रही है। सरकार एआई को भविष्य की परिवर्तनकारी तकनीक बताते हुए निवेश बढ़ाने और नवाचार को प्रोत्साहन देने की बात कर रही है। अब निगाह इस पर है कि घोषित योजनाएं और बजट आवंटन जमीनी स्तर पर कितनी तेजी और प्रभावशीलता से लागू होते हैं।

सस्ती और बेहतर कारों की उम्मीद, सालाना 90 लाख तक पहुंचेगा कार उत्पादन

1 लाख करोड़ के निवेश से 65प्रतिशत तक बढ़ जाएगी क्षमता

मुंबई। देश की पांच प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियां अगले 5-6 वर्षों में करीब 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश कर उत्पादन क्षमता में लगभग 65प्रतिशत की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। इस विस्तार के बाद देश में कारों का सालाना उत्पादन मौजूदा 55 लाख से बढ़कर करीब 90 लाख यूनिट तक पहुंच सकता है। बढ़ती मांग को देखते हुए यह कदम सप्लाई मजबूत करेगा, नए मॉडल लॉन्च होंगे और लोकप्रिय कारों की वेटिंग अवधि कम होने की संभावना है। इस महत्वाकांक्षी योजना में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, टोयोटा क्रिलोस्कर मोटर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया शामिल हैं। कंपनियां नए प्लांट स्थापित करने, मौजूदा संयंत्रों का विस्तार करने और अत्याधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर दे रही हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, आने वाले

वर्षों में एसयूवी, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर विशेष फोकस रहेगा। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में तेजी से बढ़ती मांग और सरकार की प्रोत्साहन नीतियां भी निवेश को गति दे रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्पादन क्षमता बढ़ने से बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होगी। इससे उपभोक्ताओं को बेहतर फीचर्स, उन्नत सुरक्षा मानकों और नई तकनीक से लैस कारें अपेक्षाकृत किफायती दामों पर मिल सकती हैं। साथ ही, घरेलू उत्पादन बढ़ने से निर्यात के अवसर भी मजबूत होंगे, जिससे ऑटो सेक्टर अर्थव्यवस्था में और बड़ी भूमिका निभा सकेगा। कुल मिलाकर, यह निवेश न केवल ऑटो उद्योग के विस्तार का संकेत है, बल्कि भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रुपया 27 पैसे टूटकर 90.95 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 27 पैसे टूटकर 90.95 प्रति डॉलर पर आ गया। मजबूत अमेरिकी मुद्रा और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने रुपये पर दबाव डाला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयरों में बिकवाली की होड़ ने भारतीय मुद्रा पर और दबाव बनाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.94 प्रति डॉलर पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.95 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 27 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.68 पर बंद हुआ था। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर बृहस्पतिवार को मुद्रा बाजार बंद रहे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.89 पर रहा।

केंद्र ने दिसंबर, 2025 तक 14 पीएलआई योजनाओं के तहत 28,748 करोड़ रुपये बांटे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दवा समेत 14 क्षेत्रों को अब तक 28,748 करोड़ रुपये जारी किए हैं। 1.91 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना ने 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मजबूत उद्योग भागीदारी को बढ़ावा दिया है। पीएलआई योजना का उद्देश्य भारत के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और स्थानीयकरण को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत 1.91 लाख करोड़ रुपये का प्रोत्साहन बजट रखा गया है, जो भारत के विनिर्माण आधार को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल है। 14 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 836 आवेदनों की स्वीकृति के साथ यह योजना उद्योग जगत के मजबूत विश्वास और इसके व्यापक उपयोग को दर्शाती है। पीएलआई योजना को उद्योग जगत शुरुआत से ही लगातार अपना रहा है और विनिर्माण क्षमता में निरंतर विस्तार हो रहा है। इस योजना के तहत पिछले साल 31 दिसंबर तक 14 क्षेत्रों में 836 आवेदन स्वीकृत हुए, 2.16 लाख करोड़ रुपये से

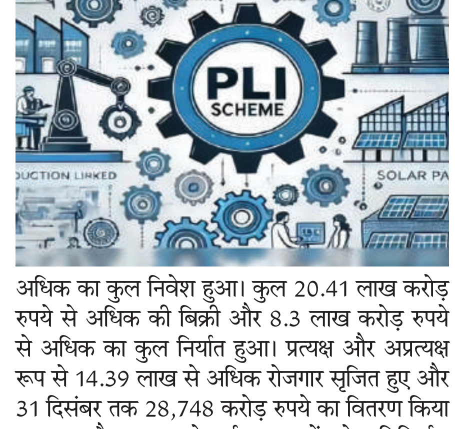

अधिक का कुल निवेश हुआ। कुल 20.41 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री और 8.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल निर्यात हुआ। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 14.39 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए और 31 दिसंबर तक 28,748 करोड़ रुपये का वितरण किया जा चुका है। सरकार ने वर्ष 2021 में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के इरादे से 14 क्षेत्रों के लिए 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पीएलआई योजनाओं की घोषणा की थी।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 122 अंक उछला

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलासिला जारी है। कारोबार की शुरुआत में घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। हालांकि, बाद में खुद को संभालते हुए हरे निशान पर आ गया है। दोनों सूचकांक में फिलहाल तेजी कायम है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 121.68 अंक यानी 0.15 फीसदी की उछाल के साथ 82,619.82 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 45.85 अंक यानी 0.18 फीसदी बढ़त के साथ 25,500.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बाजार में आज के कारोबार में आईटी शेयरों में बिकवाली है। वहीं, सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी

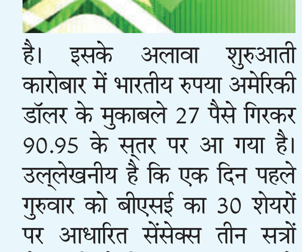

है। इसके अलावा शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 27 पैसे गिरकर 90.95 के स्तर पर आ गया है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले गुरुवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स तीन सत्रों से जारी तेजी पर विराम लगाते हुए 1236.11 अंक यानी 1.48 फीसदी लुढ़ककर 82,498.14 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 365.00 अंक यानी 1.41 फीसदी टूटकर 25,454.35 पर बंद हुआ था।

हे बलवंत दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी: अभिनेत्री शिवानी नागरम

हाल ही में लिटिल हार्ट्स, राजू वेड्स रामभाई और ईशा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले सफल जोड़ी बन्नी वास और वामसी नंदीपति अब एक पूरी तरह से मनोरंजक फिल्म हे बलवंत (पहले हे भगवान थी) के साथ दर्शकों के सामने आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण बी. नरेंद्र रेड्डी त्रिशूल विजनरी स्टूडियोज के बैनर तले कर रहे हैं, निर्देशन गोपी आचार्य कर रहे हैं और इसे नंदीपति एंटरटेनमेंट्स और बन्नी वास वर्क्स प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म में सुहास, शिवानी नागराम, वरिष्ठ अभिनेता नरेश और एंकर श्रावंती मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 20 फरवरी को रिलीज होने वाली है। इस अवसर पर सोमवार को अभिनेत्री शिवानी नागराम ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने बताय कि सुहास के साथ यह मेरी दूसरी और मेरे करियर की तीसरी फिल्म है। उनके साथ पिछली फिल्म में मेरा किरदार बहुत गंभीर था और कहानी भी काफी गंभीर थी। लेकिन इस फिल्म में यह काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है। मुझे यह भूमिका निभाने में बहुत मज़ा आया। पूरी फिल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। अंत में पिता-पुत्र का प्रेम प्रसंग भी सबको छू जाएगा। मेरे किरदार में मासूमियत के साथ-साथ हास्य भी है। फिल्म बहुत अच्छी है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह निश्चित रूप से हिट होगी। सुदर्शन, सुहास और मेरे किरदार आपको खूब हंसाएंगे। नरेश और वेन्नेला किशोर के किरदार बेहद मजेदार हैं। क्लाइमेक्स धमाकेदार होगा और बेहद मनोरंजक। मेरे पास जो भी कहानियां आती हैं, उनमें से मैं हमेशा सबसे अच्छी कहानी चुनता हूं। मेरी पहली फिल्म में कॉमेडी नहीं थी, दूसरी पूरी तरह से कॉमेडी थी, और इस फिल्म में भी कॉमेडी है। मुझे कहानी और अपना किरदार दोनों ही पसंद आ गए, जैसे ही मैंने इसके बारे में सुना। इस फिल्म में कौन सा व्यवसाय दिखाया गया है? क्या आपका इससे कोई संबंध है? नहीं, फिल्म में दिखाया गया व्यवसाय नरेश सर का पारिवारिक व्यवसाय है। मेरा इससे कोई संबंध नहीं है। आपको इसे सिनेमाघरों में देखना चाहिए और आनंद लेना चाहिए। आपको खूब हंसी आएगी। यह रंगीन दृश्यों और बेहतरीन संगीत से भरपूर एक मनोरंजक फिल्म है। नरेश और वेन्नेला किशोर की कॉमेडी आपको खूब हंसाएगी। हर किरदार आपको हंसाएगा। मैंने कुचिपुड़ी और संगीत सीखा है। मैं गायिका से अभिनेत्री बनी हूँ। मैंने लिटिल हार्ट्स में थोड़ा गुनगुनाया था और आरम्भम में एक गाना गाया था। अगर मौका मिले तो मैं गाने के लिए तैयार हूँ। वो बहुत ही मिलनसार और सहयोगी हैं, और एक बेहतरीन अभिनेता हैं। इस फिल्म में हमारी जोड़ी दर्शकों का मनोरंजन करेगी। हमारे साथ के दृश्यों का दर्शक भरपूर आनंद लेंगे। मेरा परिवार बहुत सहयोगी है। उन्होंने मुझे जो अवसर दिया, उसका मैंने अच्छे फिल्मों में उपयोग करके खुद को साबित किया। वे बहुत खुश हैं। लिटिल हार्ट्स की सफलता के बाद आप ऑफर्स को कैसे मैनेज कर रही हैं? मैं सफलता को एक अवसर मानकर अगली फिल्म की ओर बढ़ती हूं, लेकिन मैं फिल्म तभी स्वीकार करती हूं जब मुझे कहानी पसंद आए, चाहे कलाकारों का संयोजन कैसा भी हो। मैं देखती हूं कि क्या मैं कहानी से जुड़ पाती हूं और मेरा किरदार कितना महत्वपूर्ण है। यही मेरे लिए मायने रखता है। मैंने शुरू में गंभीरता से अभिनेता बनने की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन अब मुझे पहचान मिल गई है। मुझे अच्छी फिल्में, अच्छी टीम और अच्छे सह-कलाकार मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मेरे पास जो भी ऑफर आते हैं, उनमें से मैं सर्वश्रेष्ठ का चयन करता हूं। मैं 100 फिल्में नहीं करना चाहता; अगर मैं पांच भी करूं, तो उनकी कहानी अच्छी होनी चाहिए। अगर आपको स्टार हीरो के साथ काम करने के ऑफर मिलें, तो क्या आप कहानी की परवाह किए बिना उन्हें स्वीकार कर लेंगी? मेरे लिए सिनेमा तो सिनेमा है। अगर मुझे कहानी और मेरा किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसे स्वीकार कर लूंगी। मैं बिना किसी पूर्व अनुभव के आई हूं। दर्शकों द्वारा दिए गए सम्मान को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। बहुत खुश हूं। अब अभिनेताओं के साथ-साथ लेखक और निर्देशक भी बढ़ गए हैं। तेलुगु लड़कियों को ज़्यादा मौके मिल रहे हैं। अब छोटी-बड़ी फिल्मों का कोई फर्क नहीं रह गया है। छोटी फिल्में भी बड़ी हिट हो रही हैं। कई लोगों ने कहा कि अगर लगातार फिल्में नहीं करोगी तो गायब हो जाओगी, लेकिन मैं चाहती हूं कि लोग कहें कि मैं हमेशा अच्छी फिल्में चुनती हूं। मैं दूसरी हीरोइनों की तरह ही फिल्मों को लेकर चुनिंदा रहना चाहती हूं। मुझे हर प्रकार की फिल्में पसंद हैं, लेकिन विशेष रूप से रोमांटिक कॉमेडी। जब मूड खराब होता है, तो ऐसी मनोरंजक फिल्में देखने से मूड ठीक हो जाता है। मैं सभी शैलियों की फिल्में करना चाहता हूँ।

3 राज्य, 3 कहानियां और प्यार के नाम पर धर्मांतरण, द केरल स्टोरी 2 का दमदार ट्रेलर जारी, लव-जिहाद की भयावह सच्चाई उड़ा देगी होश

अदा शर्मा स्टारर द केरल स्टोरी 2023 में रिलीज हुई थी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही. अब, मेकर्स द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड नाम का एक सीक्वल लेकर आ रहे हैं. इसे नेशनल अवॉर्ड-विनिंग फिल्ममेकर कामाख्या नारायण सिंह ने डायरेक्ट किया है. मेकर्स ने द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड का ट्रेलर जारी किया. फिल्म के ट्रेलर के मैसेज ने सनसनी मचा दी है. सनसाइन पिक्चर ने मंगलवार को द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड का ट्रेलर लॉन्च किया है. इसे इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, उन्होंने हमारी बेटियों को टारगेट किया. उन्होंने उनका भरोसा तोड़ा. उन्होंने उनका भविष्य चुरा लिया. इस बार, हम चुप नहीं रहेंगे. कहानी आगे तक जाती है. इस बार सहेंगे नहींज् लड़ेंगे. द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड का ट्रेलर अब आ गया है. 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में. द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड के ट्रेलर की शुरुआत एक टारगेट से होता है, जिसमें एक शख्स कहता है कि अगले 25 सालों में पूरा भारत एक इस्लामिक स्टेट होगा और पूरे भारत में शरिया लागू होगा. फिर कहानी राजस्थान में बदल जाती है, जहां एक हिंदू परिवार पुलिस स्टेशन जाता है और आरोप लगाता है कि उनकी 16 साल की बेटी को जबरदस्ती धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया है. फिर अगला सीन मध्य प्रदेश का होता है, जहां एक जवान हिंदू लड़की को झूठे बहाने से शादी के लिए बहला-फुसलाकर धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है. इसके बाद केरल की स्टोरी आती है, जहां एक मुस्लिम आदमी अपनी हिंदू गर्लफ्रेंड को लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का प्रपोजल देता है. जब वह धर्म बदलने से मना कर देती है, तो मामला बिगड़ जाता है, जिससे धर्म और अपनी पसंद के बीच टकराव पैदा हो जाता है. तीसरा हिस्सा दर्शकों को केरल वापस ले जाता है। एक मुस्लिम आदमी अपनी हिंदू गर्लफ्रेंड को लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का प्रपोज़ल देता है। जब वह साफ-साफ कहती है कि वह धर्म नहीं बदलेगी, पहले तो वह मान जाता है, लेकिन बाद में उसे बीफ खाने के लिए मजबूर किया जाता है और वह और उसका परिवार उसे बंदी बना लेते हैं. ट्रेलर में जबरदस्ती धर्म बदलने वाले टॉर्चर और उनके परिवारों की अपनी बेटियों को घर वापस लाने की लड़ाई की डरावनी झलक दिखाई गई है. कामाख्या नारायण सिंह के डायरेक्शन और विपुल अमृतलाल शाह और सनशाइन पिक्चर्स के सपोर्ट में बनी द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड तीन लड़कियों पर आधारित है, जिनका रोल उल्का गुप्ता, अदिति भाटिया और ऐश्वर्या ओझा ने किया है.तीन मुस्लिम आदमियों के साथ उनके रिश्ते फिल्म का फोकस हैं.ट्रेलर से पता चलता है कि यह धर्म बदलने का एक सोचा-समझा एजेंडा है. ट्रेलर में तीन राज्यों की तीन कहानी दिखाई गई है. इस्लामीकरण के खौफनाक मंजर को दिखाने वाली यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

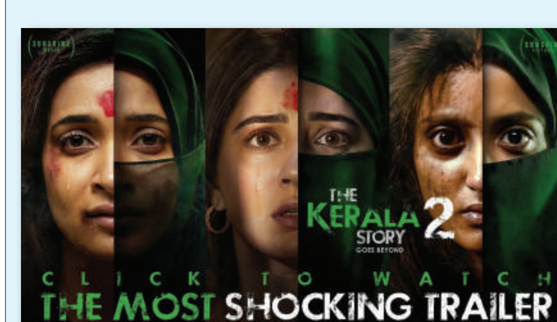

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो। फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज़्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है। अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये ज़रूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती। सच पूछिए तो 20 फरवरी को रिलीज़ हो रही फिल्म दो दीवाने सहर में के ज़रिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज़ पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नज़रें चुरा लेते हैं का मौक़ा देती हैं। इसी के साथ नैना की कहानी के माध्यम से यह फिल्म कई दिलों की सच्चाई को न सिर्फ सामने लाने की कोशिश करती है, बल्कि उन्हें थोड़ा सुकून भी देती है।

बॉर्डर 2 के बाद फिर गदर मचाएंगे सनी देओल, लाहौर 1947 की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं. उनकी अपकमिंग फिल्म लाहौर 1947 की रिलीज डेट आधिकारिक तौर पर घोषित कर दी गई है. आमिर खान प्रोडक्शंस ने इसकी घोषणा की कि फिल्म 13 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. ये तारीख स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के हफ्ते में आती है, जो फिल्म की थीम को और भी खास बनाती है. लाहौर 1947 एक पीरियड ड्रामा है, जो 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है. फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, जबकि प्रीति जिंटा (7 साल बाद बॉलीवुड में वापसी), शबाना आजमी, करण देओल, मिथुन चक्रवर्ती, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे. निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है, जो सनी देओल के साथ घायल, दामिनी, गदर जैसी हिट फिल्में बना चुके हैं. ये पहली बार है जब सनी देओल, राजकुमार संतोषी और आमिर खान एक साथ काम कर रहे हैं. फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने कंपोज किया है और गाने जावेद अख्तर के लिखे हैं. शूटिंग फरवरी 2024 में शुरू हुई और अक्टूबर 2025 में पूरी हुई. पहले ये फिल्म 26 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पोस्ट-प्रोडक्शन में देरी के कारण अब अगस्त 2026 में आ रही है. आमिर खान ने स्टेटमेंट में कहा- ये स्क्रिप्ट धर्मेंद्र जी की सबसे पसंदीदा थी. सनी देओल के लिए ये फिल्म बॉर्डर 2 के बाद एक और बड़ा प्रोजेक्ट है. गदर 2 की सफलता के बाद फैंस उन्हें फिर से पावरफुल रोल में देखने के लिए बेताब हैं. विभाजन की संवेदनशील कहानी को राजकुमार संतोषी के डायरेक्शन में देखना रोमांचक होगा. फिल्म में इमोशन, एक्शन और ऐतिहासिक ड्रामा का मिश्रण होगा, जो ऑडियंस को थिएटर तक खींचेगा. ट्रेलर और पोस्टर का इंतजार अब और बढ़ गया है. बॉलीवुड में ये फिल्म इंडिपेंडेंस डे वीक में धमाल मचाने वाली है.

ओ रोमियो का नया गाना जलवा जारी, दुश्मनों पर दहाड़ते दिखे शाहिद कपूर

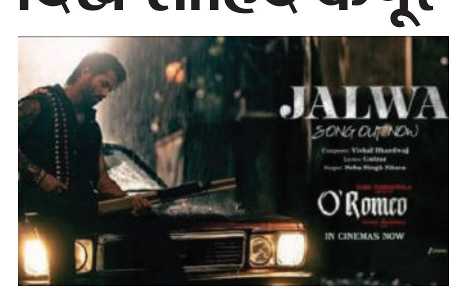

शाहिद कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'ओ रोमियो सिनेमाघरों में दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना 'जलवा जारी कर दिया है, जो अपने तीव्र संगीत और जोशीले अंदाज के कारण चर्चा में है। इस गाने के बोल मशहूर गीतकार गुलजार ने लिखे हैं, जबकि इसे आवाज सोबा सिंह सितारा ने दी है। संगीत निर्देशन विशाल भारद्वाज का है। 'जलवा की धुन दमदार और ऊर्जावान है, जो फिल्म की कहानी के भावनात्मक और तीखे मोड़ों को और प्रभावशाली बनाती है। गाने में संगीत और शब्दों का संयोजन दर्शकों को तुरंत आकर्षित करता है। गाने को टी-सीरीज़ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसे साझा करते हुए शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर लिखा, शोले की तरह, फलक चूम के, जलवा मेरे आशिक का बड़ी धूम से निकला। इस पंक्ति ने प्रशंसकों के बीच उत्साह और बढ़ा दिया है। वीडियो में शाहिद कपूर का किरदार गुस्से और बदले की भावना से भरा नजर आता है। उनके एक्सप्रेशन और स्क्रीन प्रेजेंस गाने को और प्रभावशाली बनाते हैं। अधिकतर दृश्य फिल्म के अहम पलों से लिए गए हैं, जिससे दर्शकों को कहानी की झलक भी मिलती है। 13 फरवरी को रिलीज हुई इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी, विक्रांत मैसी और तमन्ना भाटिया भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दमदार स्टारकास्ट और भावनात्मक कहानी के कारण फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। जलवा के रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर गाने की धुन और शाहिद के इंटेंस लुक की खूब चर्चा हो रही है।

पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह की रिलीज डेट से उठा पर्दा, निर्माताओं ने पोस्टर जारी बताई तारीख

इंतज़ार आखिरकार खत्म हुआ। पावरस्टार पवन कल्याण स्टारर और कल्ट कैप्टन हरीश शंकर के डायरेक्शन में बनी, बहुप्रतीक्षित फिल्म उस्ताद भगत सिंह, 26 मार्च, 2026 को दुनिया भर के थिएटर में रिलीज़ होने वाली है। फिल्म अभी पोस्ट प्रोडक्शन में है, और फैंस इसके रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। पवन कल्याण की एनर्जी पहले सिंगल, देखेंगे साला में ही साफ़ दिख रही है, जिसमें उनके ज़बरदस्त एक्शन मूव्स दिख रहे हैं। हरीश शंकर उस्ताद भगत सिंह के साथ अपनी पिछली ब्लॉकबस्टर गब्बर सिंह का जादू फिर से जगाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म पावरस्टार फैंस और सभी उम्र के दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने का वादा करती है। फिल्म में टैलेंटेड कास्ट है, जिसमें श्रीलीला, राशि खन्ना, आर पार्थीबन, केएस रवि कुमार, एलबी श्रीराम, राव रमेश, रामकी और केजीएफ अविनाश शामिल हैं। टेक्निकल क्रू में म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर देवी श्री प्रसाद, एडिटर के तौर पर कार्थिका श्रीनिवास और प्रोडक्शन डिजाइनर के तौर पर आनंद साईं शामिल हैं। अपने पावरफुल एंटरटेनमेंट और स्टार्स से भरी कास्ट के साथ, उस्ताद भगत सिंह के ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है। 26 मार्च के लिए अपने कैलेंडर मार्क कर लें और पावरस्टार का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाएं। इसे मैथरी मूवी मेकर्स के तहत नवीन यरनेनी और रवि शंकर यालमंचिली ने प्रोड्यूस किया है।

'Thank you India!': French President Macron shares highlights of his three-day visit

NEW DELHI,Agency: French President Emmanuel Macron on Thursday concluded his three day visit to India with a "Thank You India!" message, after attending the India AI Impact Summit 2026 and holding bilateral talks with Prime Minister Narendra Modi.

In a post on X, Macron shared a video of moments from his visit along with a note saying "Thank You India!", appreciating the warm welcome he received during the trip.

During the visit, Macron met Prime Minister Narendra Modi and interacted with global technology leaders, signalling deeper cooperation between Paris and New Delhi in artificial intelligence, innovation and strategic sectors. Addressing the India AI Impact Summit 2026, Macron began with a greeting that drew applause from the audience.

"Namaste. Thank you very much for welcoming us to this magnificent city, in this magnificent country. It's great to be back after my 2024 state visit for this Artificial Intelligence Impact Summit hosted by you, Prime Minister," he said.

Praising India's digital transformation over the past decade, he said, "10 years ago, a street vendor in Mumbai could not open a bank account. No address, no papers, no access and today the same vendor accepts payments on his phone."

He added, "India built something that no other country in the world has built. A digital identity for 1.4 billion people. A payment system that now processes 20 billion transactions every month. A health infrastructure that has issued 500 million digital health IDs. Here are the results. They call it the India Stack Open Interoperable Sovereign."

On the sidelines of the summit, Macron met Google CEO Sundar Pichai and discussed digital cooperation and the priorities of the French G7 Presidency.

"Solutions to our digital challenges are not found on Google, but built with Google and all stakeholders. At the Delhi AI Summit, together with Sundar Pichai, we discussed the priorities of the French G7 Presidency. And I shared one message: Choose France!" Macron posted on X.

Pichai responded, "With its leadership of the G7, France has a pivotal role to play in unlocking the opportunities of AI, and we are proud to be a partner."

Film producer withdraws 'Ghooskhor Pandat' title

NEW DELHI,Agency: Jolted by allegations of anti-Brahmin bias, FIRs and court petitions, the producer of 'Ghooskhor Pandat' on Thursday filed an affidavit informing Supreme Court of the decision to withdraw the film's title and not use the words that had hurt the sentiments of a section of society anywhere in the Manoj Bajpayee-starrer.

Senior advocate Neeraj Kishan Kaul, appearing for producer Neeraj Pandey, told a bench of Justices B V Nagarathna and Ujjal Bhuyan that given the concerns expressed over the teaser since its release on Feb 3, the promotional material had been withdrawn.

He said the film was a fictional police drama that revolved around a criminal investigation without portraying any caste, religion, community or sect as corrupt.

Chhattisgarh HC: No automatic bail for juveniles in heinous crimes

Raipur,Agency: Chhattisgarh HC has dismissed a juvenile's appeal for bail in a 2025 murder case, saying such relief can't be treated as an absolute or automatic right and release will "defeat the ends of justice" given the gravity of the offence.

Justice Arvind Kumar Verma upheld earlier orders of Juvenile Justice Board (JJB) and a sessions court in Chhattisgarh's Dhamtari, and held the HC was "not convinced" that a juvenile could claim bail without courts examining the nature of the offence.

"JJB and the sessions court rightly prioritised child protection over routine bail in a heinous offence like murder. Such acts amount to a grave rupture of social order, violate the inherent dignity of childhood, and demand collective vigilance to restore moral balance," Justice Verma observed in his Feb 13 judgment.

The minor filed the criminal revision plea under the Juvenile Justice Act, 2015, challenging the order of the sessions court on Oct 31, 2025 rejecting bail. He allegedly stabbed Vikas Dhruv in Dhamtari following an altercation on June 6 last year.

The minor's counsel argued that the lower courts had failed to appreciate the reformative spirit of the 2015 law, and continued detention in an observation home would expose him to criminal influence. The counsel said the attack occurred in self-defence and that the accused had no prior criminal records and came from a poor family.

Parents' qualification doesn't matter in custody battle: Calcutta HC

Kolkata,Agency: The child of a separated couple who has been living with his father for five years cannot be "planted som-ewhere else" even if the father's educational qualification is less than the mother's, Calcutta HC held on Tuesday. The mother, who was recently awarded custody of the child by a trial court, has a master's in music. She runs a music school and is also a private tutor. The father, whose custody claim over the 8-year-old has been upheld by the high court, is a matriculate and earns a living selling fish.

The child, who has been living with his father since the couple separated five years ago, had told the trial court judge that he wanted to stay with both parents.

Since the couple filed for restitution of conjugal rights several times while the custody

battle was on, a HC division bench of Justices Sabyasachi Bhattacharyya and Supratim Bhattacharya observed on Tuesday: "It transpires that all is still not lost and there is ample scope for the parties reconciling their matrimonial disputes, as well as a chance of the parties staying together as a couple by shedding their personal differences, which will be of utmost benefit to the child in the final count."

The bench referred the couple for mediation, to be supervised by the Calcutta HC mediation committee. The committee was requested to include a psychologist in the mediation.

The trial court in a recent order had noted that the father earned more than the mother but awarded custody to the mother on the grounds that she was more educated. The judge had observed that the child's upbringing would be affected if he were to be deprived of his mother's love.

Acting on an appeal by the father against the trial court order, the division bench observed on Tuesday: "The finding of the trial judge is that any detachment of the minor from his mother may cause a scratch in the mind of the minor, who is eight years old. That scratch was caused five years ago; from age three to eight, he has been residing with his father... He has been living with his father for five years; now we cannot pick him up and plant him somewhere else."

'Great son of India': UK deputy PM David Lammy Rishi Sunak trade stories of their Indian heritage

NEW DELHI,Agency: UK deputy prime minister David Lammy hailed former prime minister Rishi Sunak as "a great son of India" while highlighting his own Indian roots during a fireside chat in New Delhi.

Speaking at the British High Commission, introducing Sunak, Lammy said, "I know that former Prime Minister Rishi Sunak is not just a great son of the United Kingdom, he is also a great son of India."

Sunak promptly interjected, saying, "Son-in-law", drawing laughter from the audience.

Lammy also spoke about his own Indian heritage. "I just want to establish my heritage too, because my great-grandmother on my mother's side was from Calcutta," he said.

Emphasising their ability to work together despite political differences in the UK, Lammy said, "Whilst we are on different sides of the political aisle, we can work together and have been friends for many years."

He added it had been "One of the great pleasures in recent years to join former Prime Minister Rishi Sunak on our shared goal to do much better both in the United Kingdom and globally on prostate cancer, and it's a pleasure to work with him on that cross-party issue.Lammy's remarks came amid discussions on strengthening UK-India relations, with potential areas of cooperation including trade, technology and security, as both countries explore ways to deepen their strategic partnership.

Earlier, speaking at the AI Impact Summit in New Delhi, Sunak called India the ideal venue for shaping the future of artificial intelligence and said there was "no better place" to deliberate on the global AI transformation.

"We do need a regular forum, where we can all meet and discuss this technology, and that is what this Summit provides under Prime Minister Modi's leadership. This summit will deliver impact; it will show us how we can make AI work, not just for the developed world but for the developing world too," Sunak said.

"There is no better place to discuss this AI transformation than India," Sunak said, adding that the summit would show how AI can improve health and education "in every corner of the globe" and enhance human dignity.

1st time after Manipur violence, CM gets Kukis and Meiteis on 1 platform

Imphal/Churachandpur: A fractured state tried to talk to itself. For the first time since ethnic violence tore Manipur apart in May 2023, chief minister Yumnam Khemchand Singh addressed on Thursday displaced Meitei and Kuki-Zo families together - on a shared platform, if only virtually - pairing cash relief with an appeal to rebuild trust.

The outreach, anchored at a relief camp in Langol of Imphal West district, connected displaced Meitei families in the valley with Kuki-Zo inmates of camps in Churachandpur and Kangpokpi via video link. Direct benefit transfers were credited during the meet.

Each displaced person received Rs 2,420 for essentials. Families whose homes were burnt are being paid Rs 1 lakh in instalments, officials said.

More than 260 people have been killed and over 60,000 displaced since clashes erupted between Meitei and Kuki communities in 2023. Since then, movement has been sharply curtailed - valley residents rarely enter Kuki-majority hills, and Kukis seldom travel into Imphal.

Singh said resettlement had begun in peripheral areas, but restoring homes in sensitive zones remained difficult. "Resettling IDPs (internally displaced persons) to their original places is a priority, though challenges remain. While tensions have eased, mistrust continues," he said, urging social groups and families to help bridge the divide.

It was a modest step - cheques and promises - but the first time the state tried to stitch two wounded communities into the same conversation. Voices from camps cut through the screen. A young Kuki woman from Kangpokpi asked for access to jobs and higher education. A Meitei woman broke down, pleading to return home after three years in a camp. Another Kuki-Zo inmate flagged the struggle to reach hospitals.

Flight data downloaded: AAIB to issue preliminary report on Ajit Pawar's Baramati plane crash

NEW DELHI,Agency: Data from the Digital Flight Data Recorder of Ajit Pawar's crashed Learjet 45 near Baramati has been successfully downloaded at the Aircraft Accident Investigation Bureau's Flight Recorder Laboratory, the ministry of civil aviation said on Thursday, adding that a preliminary report into the January 28 accident will be issued within 30 days in line with ICAO norms and that all investigative actions are being taken with full transparency and professional integrity. Maharashtra Deputy chief minister Ajit Pawar and four others were killed in the crash.

The ministry said the AAIB's probe is technical and evidence based. It involves systematic examination of wreckage, operational and maintenance records and laboratory testing of components where required.

The crashed VSR Ventures-owned Learjet 45 was equipped with a Digital Flight Data Recorder and a Cockpit Voice Recorder. Both devices were exposed to intense heat and sustained fire damage. Data from the DFDR, manufactured by L3-Communications, has been successfully downloaded at AAIB's Flight Recorder Laboratory.

"The Cockpit Voice Recorder (CVR), manufactured by Honeywell, is undergoing detailed technical examination. Assistance has been sought from the Accredited Representative of the State of Manufacture for specialised support in data retrieval," AAIB said in a statement on February 17.

Following the accident, the ministry directed the Directorate General of Civil Aviation to conduct a special audit of VSR Ventures. The audit covers regulatory compliance, operational control systems, maintenance practices, crew training standards, safety management systems and CVR and FDR monitoring. "The audit commenced on February 4, 2026, and is expected to conclude shortly. Findings will be reviewed, and action will be taken in accordance with DGCA's Enforcement Policy and Procedures Manual," the ministry said. The regulator has also been asked to carry out special audits of other major non-scheduled operators and aerodromes engaged in VIP and VVIP operations. These audits are being conducted in phases and enforcement action will be taken wherever required.